शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं

11 अक्टूबर 2024 शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

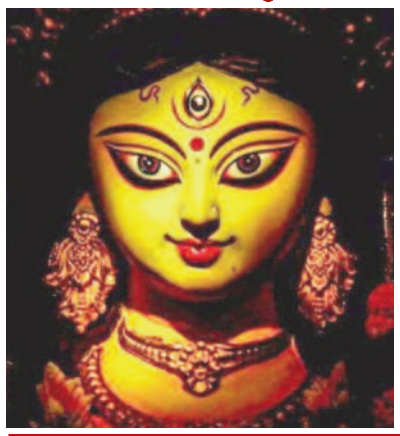

सीएम नीतीश कुमार को मिले भारत रत्न : चिराग पासवान 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

वर्ली श्मशान घाट पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने वाले नहीं रहे रतन टाटा

एजेंसी/मुंबई

टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का गुरुवार 10 अक्टूबर को मुंबई के वर्ली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले पार्थिव शरीर नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। यहां से उनकी अंतिम यात्रा वर्ली के श्मशान घाट पहुंची। अंतिम संस्कार के पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रतन टाटा ने 86 साल की उम्र में बुधवार देर रात करीब 11 बजे अंतिम सांस ली। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेंसिव केयर यूनिट में एडमिट थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। देश के सबसे बड़े उद्योगपति रतन टाटा अपने कौशल के जरिये टाटा समूह को बुलंदियों पर ले जाने वाले रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक की लहर है। सादगी, विनम्रता और परोपकार के गुण से उन्होंने सभी के दिल पर अमिट छाप छोड़ी। निधन के बाद एनसीपीए ग्राउंड में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। उद्योग, फिल्म, राजनीति से लेकर कई केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री रतन टाटा को आखिरी विदाई देने पहुंचे। भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का अंतिम संस्कार मध्य मुंबई स्थित एक शवदाह गृह में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान मुंबई पुलिस ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर और श्रद्धांजलि दिया। बता दें कि वर्ली स्थित शवदाह गृह में रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा समेत उनके परिवार के अन्य सदस्य और टाटा समूह के लोग मौजूद रहें। मुंबई पुलिस ने रतन टाटा को गॉर्ड ऑफ ऑनर और श्रद्धांजलि दी। यह आयोजन उनके अंतिम संस्कार के दौरान किया गया, जिसमें कई महत्वपूर्ण लोग शामिल हुए। इस दौरान रतन टाटा के परिवार के सदस्य, टाटा समूह के अधिकारी और प्रमुख राजनीतिक हस्तियां भी वहां उपस्थित थीं। वहीं इस मौके पर केंद्रीय गहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे समेत कई लोग वहां मौजूद रहें। यह दिखाता है कि रतन टाटा की कितनी बड़ी हस्ती थे और उनके प्रति कितनी श्रद्धा थी।

अनमोल बोल

-हमलोग इंसान है कोई कंप्यूटर नहीं, जीवन का मजा लीजिए। इसे हमेशा गंभीर मत बनाइए।

-जीवन में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि ईसीजी में एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं है

-अगर आप चलना चाहते है, तो अकेले चलिए, लेकिन अगर आप दूर तक जाना चाहते है, तो साथ-साथ चलें

-मैं सही फैसले लेने में विश्वास नहीं करता। फैसला लेता हूं और फिर उसे सही साबित कर देता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, मुकेश अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला समेत राजनीति, खेल और बिजनेस से जुड़ी कई हस्तियों ने टाटा को श्रद्धांजलि दी। **अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'एक युग का अंत हो गया।'**

टाटा चेयरमैन एन चंद्रशेखरन: हम अत्यंत दुख के साथ रतन टाटा को विदाई दे रहे हैं। समूह के लिए टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं ज्यादा थे। मेरे लिए वे एक गुरु, मार्गदर्शक और मित्र थे।

राष्ट्रपति मुर्मू: भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी: टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक टाटा ग्रुप को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

राहुल गांधी: रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

मुकेश अंबानी: ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है।

गौतम अडाणी: भारत ने एक महान और दूरदर्शी व्यक्ति खो दिया है। टाटा ने मॉडर्न इंडिया के पाथ को रीडिफाइन किया। टाटा सिर्फ एक बिजनेस लीडर नहीं थे, उन्होंने करुणा के साथ भारत की भावना को मूर्त रूप दिया।

आनंद महिंद्रा: मैं रतन टाटा की अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं। रतन टाटा को भुलाया नहीं जा सकेगा, क्योंकि महापुरुष कभी नहीं मरते।

सुंदर पिचाई: रतन टाटा से पिछली मुलाकात के दौरान उनका विजन सुनना मेरे लिए प्रेरणादायक था। वे एक्स्ट्राऑर्डिनरी बिजनेस लीगेसी छोड़ गए हैं। उन्होंने भारत में मॉडर्न बिजनेस लीडरशिप को मार्गदर्शन देने और डेवलप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कोलकता। हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का बहुत महत्व है। नवरात्रि का त्योहार 9 दिनों तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करने की परंपरा है। नवरात्रि पर दुर्गा पूजा मनाई जाती है। दुर्गा पूजा उत्सव, जिसे दुर्गोत्सव भी कहा जाता है, बहुत प्रसिद्ध है। इस त्योहार का उत्साह पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा देखा जाता है। यह पर्व मुख्यत: 05 दिनों तक चलता है जिसमें अलग-अलग दिन अलग-अलग उत्सव मनाये जाते हैं। शक्ति के नौ रूपों में से एक मां दुर्गा, पार्वती का ही एक रूप हैं। मां दुर्गा का अवतार महिषासुर का वध करने के लिए हुआ था इसलिए उन्हें महिषासुर मर्दिनी भी कहा जाता है। दुर्गा पूजा देवी दुर्गा को समर्पित है और हिंदू धर्म में इसका विशेष महत्व है। नवरात्रि का दुर्गा पूजा उत्सव षष्ठी तिथि के छठे दिन शुरू होता है और दशमी तिथि या नवरात्रि के दसवें दिन समाप्त होता है। इस वर्ष दुर्गा पूजा 8 अक्तूबर को शुरू होती है और 13 अक्तूबर 2024 को मूर्ति विसर्जन के साथ समाप्त होती है।

मोदी सरकार पर दस साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं : अमित शाह

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ पिछले 10 साल में भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। इतना ही नहीं नीतिगत निर्णय लेने में जो शिथिलता थी, उसे भी समाप्त किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदला गया। शाह ने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सालाना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार की विभिन्न नीतियों के कारण भारत दुनिया के सर्वाधिक विकसित देशों में से एक के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यभार संभाला है, सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बातों के अलावा बुनियादी ढांचा बेहतर हुआ, संपर्क सुविधा अच्छी हुई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ तथा सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हुई है। शाह ने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस अवधि के दौरान, हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है।

पुणे में किशोर न्याय बोर्ड के दो सदस्यों पर कार्रवाई, पद के दुरुपयोग के आरोप में बर्खास्त

एजेंसी/पुणे

महाराष्ट्र सरकार ने किशोर न्याय बोर्ड, पुणे के दो राज्य-नियुक्त सदस्यों को शक्ति के दुरुपयोग के आरोप में बर्खास्त कर दिया है। दोनों सदस्य जांच के घेरे में थे। उन्होंने पुणे पोर्श कार दुर्घटना मामले में एक किशोर आरोपी को विवादास्पद शर्तों के साथ जमानत दी थी। राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग के एक जांच पैनल ने कथित प्रक्रियात्मक चूक, कदाचार और मानदंडों का पालन न करने के लिए दोनों सदस्यों एलएन दानवड़े और कविता थोराट के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की थी। 19 मई को कल्याणी नगर इलाके में पोर्श कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक सवार दो आईटी इंजीनियरों की मौत हो गई थी। कार को कथित तौर पर शहर के जाने-माने एक बिल्डर का 17 वर्षीय बेटा चला रहा था, जिसने शराब पी हुई थी।पुणे पुलिस ने पोर्श कार हादसे के करीब दो महीने बाद 900 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में शुरूआत में किशोर न्याय बोर्ड ने घटना के तुरंत बाद एक रियल एस्टेट डेवलपर के बेटे को जमानत दे दी थी और उसे सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने का निर्देश दिया था। जिसकी कड़ी आलोचना के बाद पुलिस ने फिर से जेजेबी से संपर्क किया। आरोपी किशोर को पर्यवेक्षण गृह में भेज दिया गया था। वहीं इस मामले में आरोपी के माता-पिता और अस्पताल के कर्मचारियों के अलावा, पुलिस ने घटना के संबंध में उसके दादा को भी हिरासत में लिया है। फिर कथित तौर पर मध्यस्थ के रूप में काम करने और आरोपी डॉक्टरों और किशोर के पिता के बीच वित्तीय लेनदेन में सहायता करने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सीएम योगी छात्रावास के बच्चों से भी मिले, मंदिर में आए बच्चों को दी चॉकलेट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'शक्ति के पर्व' पर की मां की आराधना

केटी न्यूज/बलरामपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन किए। दो दिवसीय बलरामपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने बुधवार को समीक्षा बैठक की, फिर मेडिकल कॉलेज व निमार्णाधीन विश्व विद्यालय का निरीक्षण किया था। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। शारदीय नवरात्रि में गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश झुकाकर अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री ने जगतजननी मां भगवती से सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की

कामना की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर प्रांगण स्थित गोशाला भी गए। यहां उन्होंने सभी गायों को गुड़ व चारा खिलाया। सीएम ने नाम लेकर गायों को पुकारा तो वे भी गोरक्षपीठाधीश्वर के पास दौड़ते चली आईं। सीएम ने गो सेवा करते हुए गोशाला की व्यवस्था को भी देखा। मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। यहां आए दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया। वहीं मंदिर में आये नन्हे-मुन्नो को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट भी दिया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई आदि की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने का मंत्र भी दिया। मुख्यमंत्री मंदिर में थारू जनजाति छात्रावास के बच्चों से भी मिले।

परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रकृति का हिस्सा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी। सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल-इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई-लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे।

सीएम नीतीश कुमार को मिले भारत रत्न : चिराग पासवान

- नीतीश कुमार के रिटायरमेंट की बाट जोह रहे हैं नेता
- बीजेपी को नीतीश से दिख रही सफलता की उम्मीद

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सीएम पद से नीतीश कुमार कुमार के रिटायरमेंट का कई लोगों को इंतजार है। इंतजार करने वाले नीतीश की पार्टी जेडीयू के लोग भी हैं और एनडीए के साथी भी। विरोधियों में तेजस्वी यादव तो पहले से ही नीतीश को चुनौती दे रहे हैं। अब प्रशांत किशोर भी मैदान में हैं। नीतीश कुमार के बाद कौन, इस पर अभी से मंथन होने लगा है। यह इसी से समझा जा सकता है कि पहले जेडीयू के लोगों ने नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग उठाई और अब लोजपा- आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी इसकी मांग करने लगे हैं। वर्ष 2022 में नीतीश कुमार जब भाजपा का साथ छोड़ महागठबंधन का हिस्सा बन गए तो आरजेडी ने बिहार से उनके एग्जिट के लिए प्रधानमंत्री चेहरा बनाने का दांव खेला। आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने तो

नीतीश कुमार को लालू यादव से पीएम बनने का आशीर्वाद मिल जाने की बात कही थी। शायद नीतीश को भी आरंभ में यह प्रस्ताव अच्छा लगा था। तभी तो उन्होंने विपक्षी एकता की पहल शुरू की थी। हालांकि बाद में नीतीश कुमार आरजेडी की चाल समझ गए। उन्होंने पीएम पद की दावेदारी से अपने को अलग कर लिया।पिछले चुनाव में 134 उम्मीदवार उतार कर उन्होंने अपनी ताकत का अंदाजा लगा लिया है। उन्हें यह भी अंदाजा है कि दलित-पिछड़ों की राजनीति के इस युग में साथ रहने पर उनके भाग्य का ताला खुल सकता है। नीतीश कुमार के रिटायरमेंट के बाद तो इसकी संभावना और अधिक है। शायद इसी वजह से वे नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग करने लगे हैं।

गांधी परिवार को छोड़कर दूसरों को नहीं मिला भारत रत्न

गांधी परिवार के जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को छोड़ अभी तक किसी नेता को भारत रत्न नहीं मिला है, जो यह अवार्ड पाने के बाद भी राजनीति में सक्रिय रहे हों या राजनीतिक सक्रियता की संभावना शेष बची हो। आमतौर पर रिटायरमेंट के बाद ही भारत रत्न मिलता रहा है। नीतीश कुमार के लिए अगर राजनीति में सक्रिय रहते यह मांग हो रही हो तो मानना चाहिए कि लोग उनके शीघ्र रिटायर होने का अनुमान लगा रहे हैं। नीतीश की उम्र और स्वास्थ्य के हिसाब से नीतीश उनके सम्मानपूर्वक राजनीति से एग्जिट का यह तरीका हो सकता है। भाजपा समझ चुकी है कि नीतीश कुमार की मर्जी के खिलाफ उसे अपने किसी आदमी के सीएम बनने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसलिए चुपचाप नीतीश का नेतृत्व स्वीकारने के अलावा उसके पास कोई चारा नहीं। भाजपा को यह मौका भी तभी मिल सकता है, जब नीतीश कुमार की रजामंदी होगी। नीतीश की उम्र और अस्वस्थता तो एक सच्चाई तो है ही।चिराग पासवान को भी अब लगने लगा है कि पिता की तरह केंद्र की राजनीति में उनकी जगह पुख्ता नहीं बन सकती।

सीवान में आर्केस्ट्रा से नाबालिग लड़कियां बरामद, वायरल गर्ल बुलबुल भी पकड़ी गई

केटी न्यूज/सीवान

सीवान में नाबालिग बच्चियों से अश्लील डांस कराने वाले आर्केस्ट्रा संचालक के यहां रेड डाली गई। इस दौरान कुल छह नाबालिग बच्चियां बरामद हुई हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डारेक्टर को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के बड़हरिया में गुड़िया आर्केस्ट्रा संचालक के नाम से एक ऑर्केस्ट्रा संचालक नाबालिग बच्चियों को एक रूम में अगवा कर रखा हुआ है। उन लोगों से जबरन अश्लील डांस भी करवाता है। सूचना पर मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली के डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह एवं बाल संरक्षण इकाई टीम शैलेश कुमार एवं बड़हरिया पुलिस टीम ने गुड़िया आर्केस्ट्रा संचालक के यहां छापेमारी की। छापेमारी में एक कमरे में छह नाबालिग बच्चियां बंद पाई गई, जिसको टीम ने बरामद कर लिया है।वहीं, लड़कियों से पूछताछ करने पर बच्चियों ने बताया कि प्रताड़ित कर जबरदस्ती अश्लील गाना पर डांस कराया जाता है। बरामद बच्चियां कोई बंगाल की तो कोई यूपी की अलग-अलग जिले से यहां पर लाई गई थी। उन लोगों ने बताया कि पैसे का लालच देकर बहला- फुसलाकर लाया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए हम लगातार तत्पर

सीएम नीतीश ने 3.21 लाख बाढ़ पीड़ितों के खाते में भेजे 7-7 हजार

- राज्य के 18 जिलों में आई बाढ़ (द्वितीय चरण) से प्रभावित किसानों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत भेजी गई राशि
- द्वितीय चरण के लिये 261 करोड़ रुपये का आकलन किया गया

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 18 जिलों में आई बाढ़ (द्वितीय चरण) से प्रभावित 3.21 लाख परिवारों को डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के द्वारा सीधे उनके खाता में 7 हजार रुपए प्रति परिवार की दर से कुल 225.25 करोड़ रुपए की अनुग्रहिक राहत की राशि के भुगतान का माउस क्लिक कर अंतरण किया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रथम चरण में 4 लाख 38 हजार 529 परिवारों के खाते में 308.97 करोड़ रुपये अंतरित की गयी थी, जबकि आज द्वितीय चरण में 3 लाख 21 हजार 792 परिवारों के खाते में 225.25 करोड़ रुपये अंतरित की गयी यानी कुल बाढ़ से प्रभावित 7 लाख 60 हजार 321 परिवारों के खाते में 532.22 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गयी। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव साहिला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय चरण में बिहार के 18 जिले प्रभावित हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ बाढ़ आपदा प्रबंधन मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी कार्रवाई की गयी है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। यह प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी पीड़ित किसान छुटे नहीं। सभी के खाते में राशि का हस्तांरण हो जाए।

बाढ़ से 16 जिले का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ

समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव ने बताया कि प्रथम चरण में आई बाढ़ से 16 जिले का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है। दूसरे चरण में आयी बाढ़ के कारण 16 जिलों का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिससे किसानों की फसल क्षति हुई है। प्रथम चरण के लिये फसल क्षति के रूप में 229 करोड़ तथा द्वितीय चरण के लिये 261 करोड़ रुपये का आकलन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के लिये फसल क्षति की 229 करोड़ रुपये की राशि विभाग को प्राप्त हो गयी है। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार कृत संकल्पित है।

पीड़ित किसानों को मिलेगी क्षतिपूर्ति

सरकार में आने के बाद से आपदा पीड़ितों की सहायता के लिये हम लोग लगातार तत्पर रहते हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की जो फसल क्षति हुई है, उसकी राशि दीपावली के पूर्व अवश्य उपलब्ध करा दें। किसानों को सभी प्रकार की सुविधाएं देने के लिये सरकार लगातार काम कर रही है। बाढ़ के दौरान जिन किसानों की फसल क्षति हुई है, उसमें कोई छूटे नहीं, सभी प्रभावित परिवारों को राशि अवश्य मिल जाय। कृषि विभाग इसके लिए तेजी से काम करे। बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, आपदा प्रबंधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कृषि विभाग के विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव, आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव साहिला सहित आपदा प्रबंधन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गया में डायरिया से दो बच्चे समेत तीन की मौत, 50 की हालत गंभीर

केटी न्यूज/गया

गया जिले में डायरिया के कारण दो बच्चे समेत तीन की मौत हो गई है, जबकि करीब 50 अन्य गंभीर रूप से बीमार हैं। संबंधित डॉक्टर ने बताया कि बोधगया थाना क्षेत्र के मंझौली गांव में डायरिया के प्रकोप के कारण 7-10 साल की उम्र के दो बच्चों की मौत हो गई। साथ ग्रामीण नरेश यादव की पत्नी की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, बोधगया प्रखंड के मंझौली गांव में डायरिया फैलने से गांव में दहशत व्याप्त है। बीते दो दिनों में दो बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 50 से अधिक लोग डायरिया की चपेट में आ गए। दस्त और उल्टी की शिकायत पर ग्रामीण आसपास के निजी क्लीनिक में इलाज करा रहे है। वहीं बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मेडिकल की टीम गांव पहुंची है। जहां चिकित्सकों की टीम कैंप कर रही है। उक्त टीम बीमार लोगों का इलाज कर रही है। हालांकि जिले के जिम्मेदार सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार को इस बात की जानकारी नहीं है। पूछे जाने पर उन्होंने कहा जानकारी नहीं है। जानकारी ली जा रही है।

तीन की हुई मौत, गांव में पसरा सन्नाटा : बताया गया कि गांव के एक घर में भोज था। भोज खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। इस दौरान सबसे पहले बच्चे बीमार हुए, उसके बाद धीरे-धीरे बड़े लोग भी दस्त और उल्टी की शिकायत होने लगी। इस संबंध में गांव के रहने वाले अंबिका यादव ने बताया कि डायरिया से 7 वर्षीय गौरी, 10 वर्षीय मिथुन कुमार और नरेश यादव की पत्नी की मौत हो गई। गांव के कई लोग बोधगया और करमौनी गांव के समीप निजी अस्पताल में इलाज करा रहे है। फिलहाल डायरिया फैलने के कारण पूरे इलाके में दहशत व्याप्त है। वहीं गांव के कई लोग गांव छोड़कर रिश्तेदार के यहां जाकर रह रहे हैं। इस संबंध में बोधगया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डा. मनोज कुमार ने बताया कि मंझौली गांव में डायरिया फैलने की खबर मिलते ही दो एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम गांव भेजी गई है। जहां डाक्टरों की टीम बीमार लोगों का इलाज कर रही है। डॉक्टरों का कहना है कि अन्य मरीजों का हालत सामान्य है। सभी मरीजों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

एक नजर

किशनगंज में ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत, पति घायल, शादी से लौट रहे थे तीनों

किशनगंज। बिहार में किशनगंज जिले के टाउन थाना क्षेत्र में बुधवार को ट्रक की चपेट में आने से एक महिला और उसके पुत्र की मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गाछपाड़ा वार्ड नंबर 9 निवासी खुशबु बेगम सोमवार को कोचाधामन के बिशनपुर अपने भतीजी की शादी समारोह मे शामिल होने गई थी। वह बुधवार को अपने पति इशहाक आलम और पुत्र रफीक आलम के साथ बाइक से लौट रही थी। इस दौरान महेशबथना गांव के समीप ट्रक ने पीछे से ही बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में खुशबू बेगम और उसके पुत्र रफीक आलम की मौके पर मौत हो गई, जबकि इशहाक आलम गंभीर रूप से घायल हो गया। सूत्रों ने बताया कि घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गया में ट्रेन पलटाने की साजिश, थाने में अज्ञात के खिलाफ मामला हुआ दर्ज

गया। गया जिले में ट्रेन को पलटाने की साजिश प्रकाश में आई है। हालांकि ट्रेन पायलट की सूझबुझ के कारण साजिश नाकाम हो गई। घटना पटना-गया रेलखंड पर नेयामतपुर रेल हाल्ट के पास की है। वहीं ट्रेन के पायलट के बयान पर बेलागंज थाना में अज्ञात के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इसमें कोई विशेष सफलता नहीं मिली है। अज्ञात अपराधियों ने रेल पटरी पर कंक्रीट का स्लीपर रखकर ट्रेन को पलटने की कोशिश की थी। रेलवे सूत्रों ने बताया कि गोमो हेडक्वार्टर के पायलट ने इसकी सूचना कंट्रोल और जहानाबाद रेल थाना को दी। जिन्होंने पुलिस को बताया है कि देर रात 12 बजे के करीब मखदुमपुर और बेला स्टेशन के बीच नेयामतपुर हाल्ट के समीप पटरी पर बड़ा पत्थर रखा दिखाई दिया। इमरजेंसी ब्रेक लगा कर ट्रेन को रोकने की कोशिश की, लेकिन इंजन से कंक्रीट का स्लीपर टकरा गया और स्लीपर क्षतिग्रस्त होकर पटरी से इधर उधर बिखर गए। ट्रेन को रोक लिया गया। इस प्रकार इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन को पलटने की साजिश विफल हो गई। लोको पायलट ने समय रहते पत्थर देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया।

जिस थाने में दरोगा तैनात थे, उसी थाने की लॉकअप में उन्हें बंद कर दिया गया

- बिदुपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अभियुक्त एएसआई शिवशंकर यादव गिरफ्तार

केटी न्यूज/वैशाली

वैशाली के एसपी ने बताया कि बीते 6 अक्तूबर को बिदुपुर थाना के एएसआई शिवशंकर यादव संध्या गश्ती में निकले एवं एक व्यक्ति को पकड़कर थाना लाये और बताया कि यह व्यक्ति को 29 डिब्बी कोटा ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष द्वारा पूछे जाने पर कि जब्त ड्रग्स का वीडियो या जब्ती सूची घटनास्थल पर बनाये है तो उनके

द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया एवं आनाकानी की जाने लगी। संदिग्ध बरामद ड्रग्स के बारे में जांच की गई तो पता चला कि बिदुपुर थाना कांड संख्या 567/24 के अभियुक्त रवि कुमार को बचाने के लिए तथा कांड संख्या 568/24 के अभियुक्त सुभाष पासवान को फंसाने के लिए, विपिन राय के द्वारा अनुसंधानकर्ता एएसआई शिवशंकर यादव को बिदुपुर थानांतर्गत स्टेशन रोड में पुलिया के पास उक्त ड्रग्स दिया गया था। इस संबंध में बिदुपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अभियुक्त एएसआई शिवशंकर यादव एवं विपिन राय को गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इसमें संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। बताया गया कि जिस थाने में तैनात दरोगा थे, उसी थाने के लॉकअप में उन्हें बंद कर दिया गया। पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी पर अररिया सांसद ने साधा निशाना

अररिया। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को भाजपा लगातार घेरने का प्रयास कर रही है। दरअसल, भाजपा ने उन पर उपमुख्यमंत्री आवास पांच देश रत्न मार्ग के सरकारी आवास से बेड बेसिन, एसी और टोंटी चुरा लेने का आरोप लगाया है। हालांकि तेजस्वी यादव अपने ऊपर लगाए गए इस आप का खंडन कर रहे हैं। मगर बीजेपी तेजस्वी यादव के खुलकर मजे ले रही है। इसी कड़ी में अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने भी तेजस्वी पर तंज कसते हुए कहा कि इससे संस्कार झलकता है। सरकारी संपत्ति को भी अपनी सामान बताकर लेते चले गए और अगर ऐसा आदमी मुख्यमंत्री बन गया तो पूरा बिहार ही रख लेगा।

एक नजर में नापेंगे दाखिल-खारिज से लेकर सीओ ऑफिस की गड़बड़ी

भूमि सर्वे के लिए 'नीतीश के नवरत्न' उतरे मैदान में, भ्रष्टाचार पर लगायेंगे लगाम

केटी न्यूज/ पटना

बिहार में अंचल कार्यालयों में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। अक्टूबर में 23 जिलों के अंचल कार्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए 9 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यही नवरत्न अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार के आरोपों को ध्यान में रखते हुए सब कुछ एकदम पारदर्शी तरीके से नापेंगे। मतलब ये कि इन 9 अफसरों की नजर से कुछ नहीं बचेगा। वह सभी बारिकों पर पूरी नजर रखेंगे। सभी दस्तावेजों को चेक किया जाएगा। ताकि गड़बड़ी पकड़ी जा सके।

नीतीश के नवरत्न' उतरे मैदान में

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने एक स्थानीय अखबार को बताया कि अंचल कार्यालयों में हो रहे कामकाज की समीक्षा की जाएगी। आम लोगों को हो रही परेशानियों को दूर करना उद्देश्य है। इस निरीक्षण से जमीन सर्वे, दाखिल-खारिज जैसे जरूरी कामों में तेजी आएगी। मुख्य सचिव के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है। सभी 23 जिलों के डीएम को पत्र लिखकर इस बारे में सूचित कर दिया गया है। निरीक्षण के लिए अधिकारियों की लिस्ट भी डीएम को भेज दी गई है।पटना, बांका, सुपौल, बक्सर, गया, लखीसराय, पूर्वी

चंपारण, गोपालगंज, मधुबनी, रोहतास, सारण, कटिहार, शिवहर, पश्चिमी चंपारण, अररिया, सहरसा, नवादा, शेखपुरा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, औरंगाबाद और भागलपुर जिलों के अंचल कार्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर गौर किया जाएगा। बिहार विशेष सर्वेक्षण से संबंधित ऑनलाइन दाखिल-खारिज, भू-लगान, भूमि हस्तांतरण, बंदोबस्ती, जल निकाय अतिक्रमण, उच्च न्यायालय में लंबित वाद, सेवांत लाभ, जनशिकायत, बसेरा, जमाबंदी स्कैनिंग, ई-मापी जैसे मामलों में आम लोगों को हो रही परेशानियों का समाधान निकाला जाएगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का यह कदम अंचल कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने में मददगार साबित होगा। इससे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी।

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन पूजा पंडालों में शुरू हुई पुष्पांजलि, मां दुर्गा की गीतों से भक्तिमय हुआ पूरा बक्सर जिला

लाला चुनरिया से सजे माता के दरबार...

डुमरांव मेन रोड स्थित कलावती कॉम्पेक्स के समीप मां पंचवटी कला निकेतन पंडाल में मां डुमरेजनी की तर्ज बनाई गई माता की प्रतिमा। जिसमें प्रतिमाओं के माध्यम से मां डुमरेजनी की कहानियों को दर्शाया गया है। फोटो मनीष

जय मां भवानी दुर्गा पूजा समिति, बक्सर के पंडाल में विराजमान मां दुर्गा। जहां माता के द्वारा हरे पेड़ काटन वालों को सजा दी जा रही है।

मां शक्ति दरबार दुर्गा पूजा समिति, गोलंबर, बक्सर में बना पूजा पंडाल।

गोलंबरस्थित पूजा पंडाल में विराजमान माता की प्रतिमा।

नवयुवक छात्र संघ दुर्गा पूजा समिति, ज्योति प्रकाश चौक, कोइरपुरवा, बक्सर के पंडाल में जज बनी मां दुर्गा। वहीं, पंडाल में फोटो खींचवाती बच्चियां।

- सप्तमी पर दर्शन-पूजन के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, महाअष्टमी व महानवमी आज
- हवन व महाआरती की तैयारी में जुटे मंदिर समिति व पूजा समिति

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

गुरूवार को शारदीय नवरात्र के सप्तमी तिथि के साथ ही चार दिवसीय दशहरा मेला शुरू हो गया है। वैसे तो बुधवार को भी जिले के कुछ पंडालों के पट खुले थे, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम रही। वही गुरूवार को शाम ढलने से पहले ही जिले के शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की सड़के श्रद्धालुओं से पट गई थी। जबकि शक्ति की अराध्य देवी मां दुर्गा का दरबार भी लाल चुनरी, फल, फूल आदि से सज गया।

गुरूवार को देवी मंदिरों के अलावे पूजा पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं के दर्शन पूजन के लिए मानों सैलाब उमड़ पड़ा था। बक्सर डुमरांव में प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रित करने के लिए शहर के बाहरी सीमा पर ही दोपहिया वाहनों तक को रोक दिया जा रहा था। इसके अलावे जगह जगह दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किए गए थे। इस बार शुक्रवार को ही अष्टमी व नवमी तिथियां पड़ रही है। जिससे श्रद्धालु शुक्रवार को ही माता महागौरी व सिद्धिदात्री का दर्शन व पूजन करेंगे। आरती, भोग और मां को रिझाने वाले भक्ति का उल्लास हर ओर छा गया है। मां की प्रार्थना और अगवानी में सनातनी समाज पूरे भक्ति भाव से जुटा हुआ है। जन-जन के मन में मां अंबे की ज्योति जल चुकी है। सब कुछ मां अंबे के स्नेह, प्यार, दुलार और प्रार्थना में अर्पित है। साधकों के हर कदम पंडालों की तरफ बढ़ रहे हैं।

हवन व महाआरती की तैयारी में जुटे श्रद्धालु, निशा पूजा संपन्न : गुरूवार की रात ही महानिशा पूजा संपन्न हुई। श्रद्धालु अब नवमी के हवन व महाआरती के साथ ही नौ कन्या भोज की तैयारी में जुट गए है। श्रद्धालुओं की आस्था व उत्साह देखते ही बन रहा है। डुमरांव के नगर पंचित मां काली आश्रम पूजा समिति अध्यक्ष भगवान जी वर्मा ने कहा कि मंदिर परिसर में शुक्रवार को ही हवन, महाआरती व नौ कन्या भोज कराया जाएगा। इसके अलावे जो श्रद्धालु अपने घरों में नौ दिनों तक अनुष्ठान किए है वे भी शुक्रवार को ही हवन व कन्या पूजन करेंगे तथा शनिवार को पारण के साथ उनका नौ दिन का अनुष्ठान पूरा हो जाएगा।

सेल्फी के लिए उत्सुक रहे युवा वर्ग : श्रद्धालुओं का एक बड़ा वर्ग आनंद के मेले में हर पल को मोबाइल फोन में कैद कर रहा था। इनमें भव्य पूजा पंडाल परिसर में परिवार के सदस्यों के साथ मौजूद लोग सेल्फी लेने में भी व्यस्त दिखे। बच्चों में मेला को लेकर खासा उत्साह था। पंडाल के समीप दौड़ लगाते बच्चे उत्सवी माहौल को दोगुना करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। झूलों पर जाकर छोटे बच्चों का उल्लास देखने लायक है। आलम यह है कि मां के स्नेह और प्यार में पूजा माहौल निहाल हो गया है। शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पूजा पंडालों को देखने के लिए शहर पहुंचे थे। इसके अलावे मेला घूमने आये श्रद्धालुओं ने सड़कों किनारे बिक रहे चाट, चाउमीन, गोलगप्पे, गुड़ही जलेबी आदि व्यंजनों का भरपूर लुफ्त उठाया।

वॉच टावर व सीसीटीवी से हो रही है निगरानी

दशहरा मेला को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा बड़े स्तर पर तैयारी की गई हैं। मेला में असमाजिक तत्वों व मजनुओं पर नकेल कसने के लिए बक्सर व डुमरांव में चिन्हित जगहों पर वॉच टॉवर व नियंत्रण कक्ष बनाए गए है। इसके अलावे दोनों शहरों के प्रमुख चौक-चौराहों तथा नुक्कड़ों पर सीसीटीवी लगा निगाहबानी की जा रही है। प्रशासन द्वारा किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग, एंबुलेंसे के साथ स्वास्थ्य विभाग आदि को तैनात किया गया है। वही कुल 192 दंडाधिकारियों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला व पुरूष पुलिस के जवान को विधि-व्यवस्था नियंत्रण में ड्यूटि लगाई गई है।

मेला में भीड़ देख सर्तक हुआ प्रशासन

दशहरा मेला शुरू होते ही बक्सर तथा डुमरांव दोनों जगहों पर ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन व पूजन के लिए आ रहे है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट हो गया है। प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर बक्सर व डुमरांव दोनों अनुमंडल क्षेत्रों में भीड़ नियंत्रण के लिए शहर के बाहरी सीमा पर ड्राप गेट बनाया गया है। जिनके द्वारा बड़े और छोटे वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। बावजूद गुरूवार को बक्सर व डुमरांव की सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। जैसे-जैसे शाम ढलती गई, सड़कों पर भीड़ भी बढ़ते जा रही थी।

डुमरांव स्थित स्टेशन रोड पर थाना के समीप श्री वीर बालक मां दुर्गा पूजा समिति द्वारा अयोध्या के श्रीराम मंदीर की तर्ज पर बनाया गया पूजा पंडाल।

डुमरांव स्थित शंकर सिनेमा हॉल के समीप अखंड एकता दल दुर्गा पूजा समिति के द्वारा बनाया गया भव्य पंडाल।

डुमरांव के मेन रोड स्थित नयुवक दल पूजा समिति के द्वारा पूजा पंडाल में स्थापित किया गई माता की प्रतिमा।

डुमरांव स्थित चौक रोड के सोनार पट्टी में स्थापित मां की प्रतिमा के पांव पूजन करती देवियां।

दशहरा मेला में इस बार पंडाल में स्थापित हुई मां डुमरेजनी व उनके पति की प्रतिमा

नगरवासियों के दिलों में रची बसीं है मां डुमरेजनी, इनके नाम से ही बसा डुमरांव

- नवरात्र में उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब, पूरे शाहाबाद इलाके से दर्शन-पूजन करने आते हैं श्रद्धालु

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

मंदिरों की अधिकता के कारण लहुरी काशी कहे जाने वाले डुमरांव का नामकरण जिन डुमरेजनी माता के नाम पर है वह पूरे शाहाबाद इलाके के भक्तों के लिए अराध्य भी है। यह नगर की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती है तथा मंदिर का इतिहास सैकड़ो वर्ष पुराना है। मां डुमरेजनी शहरवासियों के दिलों में रची बसीं हैं। यहीं कारण है कि इस बार नवरात्र में एक पूजा पंडाल में मां दुर्गा के साथ ही डोली में बैठी मां डुमरेजनी तथा उनके पति की मूर्ति भी स्थापित की गई है।

श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है पूजा पंडाल : स्टेशन रोड के हरिजी के हाता के समीप मां पंचवटी कला निकेतन पूजा समिति द्वारा पंडाल में स्थापित कराई गई मां डुमरेजनी, उनके पति तथा चेरों की मूर्तियां इस बार पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हैं। पट खुलने के साथ ही इस पंडाल में दर्शन-पूजन करने वाले श्रद्धालुओं की भींड़ उमड़ने लगी है। मां डुमरेजनी से जुड़ी मान्यताओं के कारण यह पंडाल श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केन्द्र बना हुआ हैं। पंडाल में स्थापित मां की मूर्ति को डोली में दिखाया गया है, जबकि उनके आगे घोड़े पर सवार उनके पति रामचंद्र पांडेय तथा उनसे लूटपाट व लड़ाई की मुद्रा में एक चेरों की मूर्ति भी स्थापित है।

मन्नतें पूरी करने की मान्यता रखने वाली मां डुमरेजनी के दरबार में पूरे साल श्रद्धालु आते हैं, लेकिन देवी शक्ति की उपासना के नौ दिनों दिनों में यात्री नवरात्र में इस मंदिर की छटां तथा भक्तों की आस्था और बढ़ जाती है। भक्ति के इन नौ दिनों में शक्ति के अलग-अलग नौ रूपों की पूजा के साथ ही श्रद्धालु मां डुमरेजनी की पूजा जरूर करते है। पूरे शहाबाद इलाके से श्रद्धालु मां डुमरेजनी मंदिर पहुंच मत्था टेकते है। ऐसी मान्यता हैं कि मां डुमरेजनी के दर पर मांगी गई हर मुरादें पूरी होती हैं। मां पचवटी कला निकेतन द्वारा बनाए गए पंडाल में भी मां डुमरेजनी के प्रति अटूट आस्था व विश्वास देखने को मिल रहा है।

डुमरांव स्थित चौक रोड के समीप अध कट्टी ईनार पर माता की प्रतिमा। जिसमें माता महिषासुर का वध कर रही हैं।

डुमरांव स्थित शक्ति द्वार पर ऋषि मुनियों के द्वारा माता को प्रसन्न करते हुए की प्रतिमा। जिसमें मुनियों ने माता को प्रसन्न कर मांगा वरदान।

12 अक्टूबर को कलात्मक आतिशबाजी के साथ होगा रावण एवं मेघनाद के विशालकाय पुतले का दहन

किला मैदान में दोपहर दो बजे से होगा रावण वध

डुमरांव के भट्ठी रोड अंतर्गत स्थित पूजा पंडाल में माता की प्रतिमा के साथ सौर्य मंडल में विचरन करते अन्य देवी देवताएं।

डुमरांव के ठठेरी बाजार स्थित पूजा पंडाल में बनी माता की भव्य प्रतिमा।

डुमरांव के टेढ़ी बाजार स्थित पूजा पंडाल में स्थापित माता की भव्य प्रतिमा।

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के क्रम में आगामी 12 अक्टूबर को रावण एवं मेघनाद के विशालकाय पुतले का दहन कलात्मक आतिशबाजी के साथ होगा। इसकी तैयारी को लेकर अंतिम रूप दिया जा चुका है। उक्त आशय की जानकारी समिति के सचिव बैकुण्ठ नाथ शर्मा एवं मीडिया प्रभारी हरिशंकर गुप्ता ने संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

पदाधिकारी द्वय ने बताया कि विजयादशमी महोत्सव के दौरान आगामी 12 अक्टूबर को किला मैदान मे भव्य रावण वध का कार्यक्रम है, जिसकी तैयारी लगभग पूर्ण की जा चुकी है। रावण वध कार्यक्रम का मंचन दिन में 2:00 बजे से शुरू हो जायेगा और संध्या पहर में कलात्मक आतिशबाजी व कोल्ड फायर के अद्भुत नजारे के साथ रोमांचक तरिके से 45 फीट के रावण एवं 40 फीट के मेघनाद के विशालकाय पुतले का दहन होगा, जो इस बार काफी आकर्षण का केन्द्र रहेगा।

उन्होंने बताया कि रावण व मेघनाथ के विशालकाय पूतले का निर्माण मिश्रवलिया निवासी जितेन्द्र शर्मा कर रहे है, और अंतिम स्वरूप देने में लगे है। वहीं रावण और मेघनाथ के पूतले में कलात्मक आतिशबाजी के लिए इस बार भी सिमरी के मशहूर आतिशबाज कैमुद्दीन जी अपना दमदार आतिशी जौहर दिखायेंगे। विदित हो कि "रावण वध" के कार्यक्रम को देखने दशहरे के दिन उत्तर प्रदेश सहित सीमाई इलाकों से लाखों लोग यहां पहुंचते है। इस बार काफी भीड़ होने की संभावना को देखते हुए समिति द्वारा लोगों से कार्यक्रम स्थल पर समय से पूर्व पहुंचकर भीड़ से बचने का आग्रह किया गया है।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ खुला मां दुर्गे का पट, भक्तों का उमड़ा सैलाब

केसठ। नवरात्र के सातवें दिन गुरूवार को मां दुर्गा के पट खुल गए। पट खुलते ही दर्शन-पूजन के लिए मां के भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रखंड में तीन जगहों पर पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इन सभी पूजा पंडालों की रौनक और इनमें स्थापित मां दुर्गा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की खूबसूरती मनमोहक है। मां के भक्त अब अगले तीन दिनों तक मां का दर्शन-पूजन करेंगे और दशहरा मेला का लुत्फ उठाएंगे। आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा की धूम मची हुई है। सभी को सप्तमी तिथि का इंतजार था। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां का पट खोला गया। पूरा माहौल घंटा-घड़ियाल और शंख की ध्वनि से गूंज उठा। पंडालों के पास मौजूद लोग मां का जयकारा लगाने लगे। प्रखंड के नया बाजार,पुराना बाजार और कतिकनार में निर्माण किया गया है। हर साल मां के एक नये रूप की मूर्ति बनाई जाती है। लाइटिंग की भव्य व्यवस्था- पंडाल तो एक से बढ़कर एक बनाए ही गए हैं, उससे कहीं बढ़कर लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।

मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूप को देख धन्य हुए श्रद्धालु

डुमरांव। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में मां जगदम्बे के विभिन्न स्वरूप को दशार्ते हुए बनी मूर्तियां को देख श्रद्धालु स्वयं को धन्य मान रहे थे। वहीं धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के रूप में बने पंडालों दर्शन उन्हें डुमरांव के धरती पर हो रहा था। दशहरा पूजा को लेकर नगर में दो दर्जन स्थानों पर मां दुर्गा की मूर्ति विभिन्न शक्ल के पंडालों में लोगों के दर्शनार्थ रखा गया था। नगर परिषद ने अपनी जिम्मेवारी निभाते हुए शहर में पांच स्थानों पर वाच टावर का निर्माण करते हुए प्रशासन को सुपुर्द कर दिया था। वाच टावर पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारी और आरक्षी मौजूद थे। वहीं हर चौक-चौराहों पर भी दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल के अधिकारी के साथ जवान गश्त लगाते हुए हर आने-जाने वालों पर नजर रखे हुए थे।

कई स्थानों पर किया गया था बारकेडिंग : नगर में वाहनों को प्रवेश वर्जित करने के लिए बारकेडिंग की व्यवस्था की गई थी। महरौरा मोड़ के पास पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी को तैनात किया गया था। वहीं से वाहनों को आगे नहीं बढ़ने दिया जा रहा था। वाहनों के प्रवेश नहीं मिलने से श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो रही थी। लोग अपने संगे-साथियों के साथ जहां घुम-घुमकर मां का दर्शन कर रहे थे, वहीं परिवार के साथ महिलाएं और बच्चे भी आराम से चलत-फिरते पूजा-अर्चना कर रहे थे। वहीं, इस बार शहर में कुल 27 स्थानों पर भव्य पंडाल में विभिन्न स्वरूपों की मूर्ति को स्थापित किया गया था।

डुमरांव के हाथी खाना रोड अंतर्गत स्थित पूजा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ माता के अन्य स्वरूपों द्वारा दिया जाता संदेश।

डुमरांव के नया थाना के समीप स्थित पूजा पंडाल में परिवहण नियामों पर आधारित स्थापित माता की प्रतिमा।

डुमरांव में बंगाल की तर्ज पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

खबरें फटाफट

छापेमारी में घर से मिली शराब की खेप, तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर स्थानीय गांव के राजकुमार पासवान पिता लक्ष्मण पासवान के घर छापेमारी कर शराब की खेप बरामद की है। पुलिस ने राजकुमार को भी शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।
इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान उसके घर से 8पीएम ब्रांड स्पेशल फ्रूटी का 73 पीस, रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की 375 एमएल का चार बोतल एवं रॉयल चैलेंज व्हिस्की 750 एमएल का एक बोतल विदेशी शराब बरामद हुआ। बरामद शराब का कुल वजन 15.39 लीटर है। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा गया है।

किसानों को दिया गया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

केसठ। कृषि विभाग राज्य उद्यान विभाग के तत्वधान में ई किसान भवन केसठ के प्रांगण में दो दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। प्रशिक्षण में अनुसूचित जाति के किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत व आत्म निर्भर बनाने को ले प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, ब्रजेश शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में मशरूम की खेती बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। किसानों को मशरूम बीज, कम्पोस्ट एवं मशरूम उत्पादन की तकनीक के साथ ही प्रशिक्षण में आयस्टर, बटन एवं मिल्की मशरूम की उत्पादन तकनीक पर बहुउपयोगी टिप्स किसानों को दिए। मशरूम की खेती मुख्यतरू घरों के अंदर होती है। इसलिए यह महिलाओं के बीच अधिक लोकप्रिय हो रही है। लाल बाबू कुशवाहा ने मशरूम उत्पादन के लिए कंपोष्ट बनाने की विधि, निर्जलीकरण, बैग भरने कीट तैयार करने की विधि का प्रयोग करके किसानों को दिखाया।

चौसा के किसान नेता की संदेहास्पद स्थिति में मौत, हत्या का आरोप लगा रहे परिजन

- घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस व एफएसएल की टीम
- सिकरौल गांव जाने वाले मार्ग में सड़क किनारे पानी से भरे चाट में औंधे मुंह पड़ा था शव

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के प्रभावित किसान मजदूर यूनियन के संयोजक 52 वर्षीय अशोक तिवारी की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। गुरूवार की सुबह उनका शव राजपुर थाना क्षेत्र के सिकरौल मार्ग पर सड़क किनारे पानी से भरे चाट से बरामद हुआ है। वे पानी में औंधे मुंह गिरे थे तथा शरीर पर जख्म के निशान भी मिले हैं। जिस कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है।

वहीं, दूसरी ओर किसान नेता के परिजनों ने भी उनकी हत्या किए जाने की बात कही है तथा आरोप उनके दो सहयोगियों पर ही लगाया है। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर राजपुर थानाध्यक्ष संतोष सिंह, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार व सदर डीएसपी धीरज कुमार के अलावा एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम : घटना स्थल पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम की तैयारी कर रही थी। तभी ग्रामीण आक्रोशित हो चौसा मोहनिया पथ को जाम कर एसपी को बुलाने की मांग पर अड़ गए। हालांकि डीएसपी के समझाने-बुझाने के बाद शव को स्वजन घर पर लाये। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। इस घटना के बाद क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। लोग साजिश की तहत उनकी हत्या किए जाने की बात कह रहे है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक इस मामले में परिजनों ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया था।

वही, पुलिस भी इस मामले में कुछ बताने से परहेज कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बात की पुष्टि हो सकेगी कि उनकी मौत किसी हादसे या बीमारी की वजह से हुई है

या फिर साजिश के तहत हत्या की गई है।

वही, सदर डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि साक्ष्य जुटाया जा रहा है। शरीर पर कुछ निशान मिले हैं। ऐसा लगता है कि उनके साथ मारपीट की गई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो पाएगा कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई है। पुलिस इस घटना में पूरी तरह से जांच में जुटी हुई है। दोषी जो भी होगा उसका पता लगा लिया जाएगा।

रात 10 बजे तक पूजा पंडाल में प्रसाद वितरण करते देखे गए

बताया जाता है कि वे सामाजिक व्यक्ति थे तथा चौसा किसान आंदोलन के प्रखर नेतृत्वकर्ता भी थे। वे बुधवार को पूर्वी टोला रखे गए मां दुर्गा के प्रतिमा के पास पट खुलने के बाद से प्रसाद वितरण कर रहे थे। रात्रि 10 बजे तक वे पंडाल में देखे गए थे। इसके बाद वे घर जाने के लिए निकले, लेकिन घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने भी यह सोचा कि वह पंडाल में ही होंगे, इसलिए उनकी तलाश नहीं की गई। सुबह जब लोग बाहर निकले तो उन्होंने सड़क किनारे खेतों में अशोक तिवारी का शव पड़ा हुआ देखा। वह औंधे मुंह गिरे हुए थे बाद में जब लोगों ने शव को पानी से बाहर निकाला तो यह देखा कि उनके नाक से खून आ रहा था, साथ ही शरीर पर चोट के निशान भी हैं। इस दौरान उनके पुत्र प्रिंस ने सिकरौल के दो लोगों पर आरोप लगाते हुए हत्या किए जाने की आशंका जताई। इधर राजपुर थाना प्रभारी ने बताया वे रात्रि पहर सिकरौल के संजय राय उर्फ गुड्डू राय के महाराजा ईंट-भट्टे पर गए थे, जहां कोई पार्टी थी। पार्टी समाप्ति के बाद गुड्डू राय द्वारा उन्हें किसी को घर छोड़ने को कहा था। सुबह जानकारी मिली कि इस तरह की घटना हो गई।

फल दुकानों में सुबह से जुटी रही खरीदारी करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़

नवरात्र के अष्टमी तिथि को ही फलों की कीमतें बढ़ी

केटी न्यूज/केसठ

शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से शुरू है। इसके अष्टमी तिथि को ही फल व मेवे के दाम में दोगुना तक इजाफा हो चुका है। इससे श्रद्धालुओं की जेब पर महंगाई का बोझ पड़ेगा। गुरुवार को बाजार में खरीदारी करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही, इसका फायदा उठाने से व्यवसायी भी नहीं चूके। दो दिन पहले 30-40 रुपये दर्जन बिकने वाला केला गुरुवार को 70-80 रुपये में बिक रहा था।

नवरात्र में सबसे ज्यादा मेवे और फलों के दामों में इजाफा हुआ है। पूजा व अन्य सामग्री के दाम सामान्य बने हुए हैं। शारदीय नवरात्र में व्रत रखने वालों की जेब पर मेवे के दाम भारी पड़ रहे हैं। एक दिन में ही मेवे के दाम 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। हफ्तेभर में मखाना के दामों में 100 रुपये किलो तक

की तेजी आई है। कुट्टू व सिंघाड़े के आटा में 100 से 150 रुपये किलो तक की तेजी आ चुकी है।

फलों के दामों में 25 प्रतिशत तक की हुई वृद्धि : शारदीय नवरात्र शुरू होने से पहले ही फलों के दामों में 25-50 प्रतिशत तक की वृद्धि तो हुई थी, लेकिन कल तक 150 रुपये किलो बिकने वाला सेब गुरुवार को 180-200 रुपये किलो बिक रहा था। सामान्य दिनों में 60 रुपये में बिकने वाला पानी नारियल 80 रुपये में बिक रहा था। नवरात्र में पूजा-अर्चना के लिए कच्चा नारियल, केला व सेब का उपयोग सबसे अधिक होता है। इन तीनों फलों के दामों में वृद्धि व्रतियों की जेब पर डाका डालने का काम कर रही है। इसके अलावा अनार, पपीता, कच्चा नारियल आदि के दाम भी आसमान छू रहे हैं।

सप्तमी तिथि को हुई 7 लाख की कारोबार: शारदीय नवरात्र के सप्तमी तिथि को बाजारों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तो का तता लगा हुआ था।दूर दराज के लोगो स्थानीय बाजारों में खरीदारी करने के लिए पहुंचे। हालांकि पिछले साल की अपेक्षा इस साल पूजा सामग्री और फलों के दामों में दोगुना इजाफा हुई है। बाजार में केला, सेव, अनार,नारियल तथा कपड़े की खूब बिक्री हुई है।इस दौरान करीब 5 से 7 लाख रुपए का कारोबार हुआ है।

खुशखबरीः जिले के 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों का बिना राशन कार्ड के भी बनेगा आयुष्मान कार्ड

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के 70 वर्ष पार कर चुके सीनियर सिटिजंस के लिए खुशखबरी है। केंद्र सरकार उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने हेतु आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को और सुलभ बना दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा पत्र जारी किया गया है जिसमें स्पष्ट निर्देश है कि अब देश के 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों का, जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनका भी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनेगा। इससे उन्हें पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त कराने में सुविधा मिलेगी। कार्ड बनवाने के लिए बुजुर्गों की पहचान आधार कार्ड से की जाएगी।

जिले के सिविल सर्जन डॉ अरूण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार के इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति के 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि जनहित में यह सरकार द्वारा उठाया गया बेहतर कदम है। सिविल सर्जन ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कई बड़ी बीमारियों का आसानीपूर्वक इलाज सम्भव है।

घर बैठे बनाए आयुष्मान भारत कार्ड : प्रधानमंत्री जन अरोग्य योजना के जिला समन्वयक डॉ. अशोक केशरी ने बताया कि लोग नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र से आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। वहीं, मोबाइल से घर बैठे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड बनाया जा सकता है। यह स्कीम 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वैसे बुजुर्ग जो बुढ़ापे में असहाय महसूस कर रहे होते हैं और रुपये की तंगी से इलाज करवाने में सक्षम नहीं होते हैं उनके के लिए केंद्र सरकार की यह स्कीम एक बड़ी सौगात है।

मां के आभा मंडल के ओज से जगमग हुआ दशहरा, पूजा-पंडालों में उमड़ने लगे श्रद्धालु

केटी न्यूज/जहानाबाद

मां के सप्तम स्वरूप कालरात्रि की पूजा के साथ ही बुधवार की देर शाम अधिकांश पूजा पंडालों में मां की प्रतिमा के पट खुल गए। इसके साथ ही आम लोगों के लिए मां दुर्गा के दर्शन भी सुलभ होने लगे। पट खुलते ही मां के आभा मंडल के ओज से पूरा माहौल पूरे उल्लास के साथ जगमग हो उठा। उत्साह व भक्ति का यह अद्भुत सिलसिला दशवीं यानी शनिवार तक लगातार लोगों के सिर चढ़कर बोलता दिखेगा। ठाकुरबाड़ी स्थित बड़ी मां के दरबार में भी मां कालरात्रि की पूजा के साथ मां के पट खोल दिए। शाम होते ही विभिन्न पूजा पंडालों के आसपास की सजावटों से शहर की सड़कें सतरंगी रोशनी की छटा में समा गईं। इसके अलावा पंचमहल्ला, चंद्रवंशी नगर, सट्टी मोड़, सब्जी मंडी, लाल मंदिर, अरवल मोड़, काको मोड़, तिमुहानी, लोकनगर, पानी टंकी, बाल्टी फैक्ट्री आदि विभिन्न पूजा समितियों ने अपने पंडालों के आसपास काफी दूर तक बेहतरीन डेकोरेशन किया है। सभी पंडालों में एक से बढ़कर एक आकर्षक सजावट दूर से ही जगमगा रहा है। गुरुवार की सुबह से महागौरी की पूजा होगी। इसके बाद अगले दिन शुक्रवार को मां सिद्धिदात्री की पूजा के साथ कई हवन व कलश विसर्जन का अनुष्ठान होगा।

- पट खुलते ही बड़ी ठाकुरबाड़ी में सहित सभी पूजा पंडालों में दर्शन का सिलसिला शुरू

बड़ी ठाकुरबाड़ी में सजा है सबसे बड़ा मेला, पास में दमक रहा मां मांडेश्वरी का महिमामयी दरबार : जिले के सबसे प्रसिद्ध पूजा पंडाल बड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर में हमेशा की तरह इस दफे भी दशहरा मेला वृहत स्वरूप में सजा है। परिसर में एक से बढ़कर एक बड़े-बड़े झूले, व हर तरह की दुकानें सजी हैं। इसके लिए पिछले दस दिन से मेला लगाने वाले लोग अपनी तैयारियों में जुटे थे। पंडाल के बाहर भी थाना रोड तक समिति द्वारा आकर्षक सजावट की गई है। पास में नदी के उस तरफ मां मांडेश्वरी का दरबार की खूबसूरती भी दूर से दमक रही है।

ठाकुरबाड़ी स्थित पूजा पंडाल में सजी मां अम्बे की प्रतिमा।

श्रद्धालुओं के आरती मंगल से पूरा परिसर गुंजायमान होने लगा है। मां मांडेश्वरी दरबार की रंग बिरंगी लाइटों की खूबसूरती भी देखते ही बन रही है।

नवमी के दिन सुबह से ही मांडेश्वरी दरबार में मां की विशेष पूजा व नारियल फोड़ने के लिए लंबी कतारें लगेंगी। मां की विशेष पूजा व नारियल समर्पित करने का सिलसिला सुबह से देर रात तक जारी रहेगा। शुक्रवार को नवमी को शाम में हमेशा की तरह कुवांरी कन्याओं की पूजा व एक भव्य भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें लगभग पचास हजार लोगों के भाग लेने की संभावना है। नवमी के दिन के लिए मंदिर प्रबंधन से जुड़े सैकड़ों लोग दिन रात एक कर तैयारियों में जुटे हैं। सामूहिक पाठ के अलावा मां के पूजन व दर्शन के लिए प्रतिदिन मांडेश्वरी दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देर रात तक लग रही है।

लाल मंदिर में भी नवमी के दिन विशाल भंडारे की तैयारी : अस्पताल मोड़ स्थित लाल मंदिर प्रबंधन की ओर से भी हर साल की तरह इस वर्ष भी पूजा को ले व्यापक तैयारियां की गई हैं। लाल मंदिर में भी नवमी के दिन एक विशाल भंडारे का आयोजन होना है। इसको लेकर मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही है। इसके अलावा सदर अस्पताल गेट के पास जन कल्याणी मंदिर, नया टोला स्थित सफेद मूर्ति, अरवल मोड़ व राजाबाजार, कोर्ट एरिया स्थित गया मोड़ पर भी पूजा समितियों के द्वारा दशहरा के भव्य आयोजन को लेकर काफी उत्साह का वातावरण बना है।

जलालपुर में दुगार्पूजा का अद्भुत पंडाल,डायनासोर बना आकर्षण का केंद्र

छपरा। जलालपुर प्रखंड के फुटानी बाजार पर इस बार दो विशालकाय डायनासोर के मध्य स्थापित पहाड़ों वाली मां दुर्गा के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। यहां के मुख्य द्वार पर दो विशालकाय डायनासोर बनाए गए हैं। पूजा पंडाल के मुख्य द्वार पर स्थापित इन विशालकाय डायनासोर से गुजरने के बाद पहाड़ में स्थापित मां दुर्गा भक्तों को दर्शन दे रही है । यहां प्रतिवर्ष विशालकाय पंडाल का निर्माण किया जाता है। पिछले साल यहां विशाल एनाकोंडा बनाया गया था जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। बहुत कम समय में जिले में अपनी विशेष पहचान बना लेने वाले फुटानी बाजार पर हर साल विशेष तरह का पंडाल बनाया जाता है जो जिले व जिले से बाहर के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता है। इससे पहले यहां यहां विशाल शंकर जी की हृदयस्थली में व मगरमच्छ के हृदयस्थली में मां दुर्गे को स्थापित किया जा चुका है। कोविड काल में कोरोना से बचने के लिए यहां भव्य पंडाल का निर्माण किया जा चुका है।प्रति वर्ष यहां बनने वाले विशेष पंडाल का निर्माण मांझी के धनी छपरा गांव के कलाकार ओमप्रकाश चौधरी व सहयोगी कलाकार पंकज चौधरी व प्रेमसागर चौधरी है। फुटानी बाजार पर हर साल बनने वाले भव्य पंडाल का निर्माण कार्य तीन महीने पहले से शुरू हो जाता है। प्रतिदिन लगभग बीस मजदूर दिन रात काम करते हैं। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि पंडाल के निर्माण में काफी मात्रा में बांस बल्ला, जूट के चट, पुआल, कपड़े व अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है। पर्यावरण व वन्य जीवों के संरक्षण पर रहता है विशेष जोर फुटानी बाजार पर बनने वाले भव्य पंडाल निर्माण में वन्य जीवों की सुरक्षा,वन व पर्वतीय इलाकों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है।

खबरें फटाफट

बाइक सहित 40 लीटर शराब के साथ दो गिरफ्तार

छपरा। दाउदपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस द्वारा बनवार फलाई ओवर ब्रिज के समीप वाहन जांच हो रही थी जहां पुलिस को देख दो बाइक सवार युवक सबदरा गांव की तरफ भागने लगे। मगर पुलिस ने उनका पीछा कर चोरी की बाइक सहित करीब 40 लीटर शराब के साथ दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक बरवां गांव निवासी श्रवण राम का पुत्र राजवीर कुमार राम व उसी गांव के दिलीप सिंह का पुत्र रोहित कुमार सिंह है। वहीं सिसवां खुर्द गांव में पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान एक ऑल्टो में शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया जबकि दो भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपितों को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अब 24 से होगी अन्तरमहाविद्यालय योग प्रतियोगिता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय अन्तरमहाविद्यालय योग प्रतियोगिता अब 24 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ होगी। विश्वविद्यालय के क्रीड़ा निदेशक डॉ राजेश नायक ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पहले यह प्रतियोगिता 10 अक्टूबर 2024 से छपरा के पीसी विज्ञान महाविद्यालय में होनी थी लेकिन अपरिहार्य कारणवश प्रतियोगिता को तत्काल के लिए स्थगित कर दिया गया है और अब 24 अक्टूबर 2024 से यह प्रतियोगिता पीसी विज्ञान कॉलेज में ही आयोजित होगी।

ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क किया जाम

भोजपुर जिले में मासूम बच्चे की चोरी कर के बाद हत्या कर फेंका गया शव

- हत्या का कारण स्पष्ट नहीं, मामले की तफ्तीश से जुटी पुलिस
- जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भोराई टोला गांव से गुरुवार की सुबह बरामद हुआ शव

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भोराही टोला गांव में चोरी कर व हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ है। उसका शव गुरुवार की सुबह गांव में ही नाले के किनारे झाड़ी से बरामद किया गया है। अमृत बच्चों के चेहरे पर लाल रंग का निशान पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा मुंह एवं नाक दबाकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। शव के मिलने से गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह,जगदीशपुर थानाध्यक्ष बिगाउ राम अपर अध्यक्ष जयंत प्रकाश पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए है। वही पुलिस द्वारा एफएसएल की टीम बुलाया गया। जिसके बाद एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य को संकलन किया। जानकारी के अनुसार मृत मासूम बच्चा तीयर थाना क्षेत्र के तीयर गांव निवासी विकास कुमार का 9 माह का पुत्र युवराज कुमार है। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर उतर आरा गए और मोहनिया-नेशनल हाईवे पर हाटपोखर गांव के पास शव को सड़क के बीचों-बीच रख सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी के तारे लग गई एवं आवा गमन पूरी तरह ठप हो गया। सड़क जाम की सूचना पाकर जगदीशपुर थाना अध्यक्ष बिकाऊ राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे लोगों को समझाने बुझाने में जुट गए हैं। उधर जगदीशपुर एसडीएम एवं सीओ भी घटनास्थल पर पहुंचे और मृत बच्चों के परिजन व स्थानीय ग्रामीणों को आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया।

इधर मृत मासूम बच्चों के दादा कामदेव यादव ने बताया कि उनकी बहू अपने बेटे को लेकर राखी में अपने मायके जगदीशपुर थाना क्षेत्र के भोराई गई थी और उसे समय से वहीं रह रही थी। बुधवार की देर रात करीब एक बजे उनके बेटे द्वारा फोन कर सूचना दी गई की उसके बेटे को किसी ने चुरा लिया है। सूचना पाकर वे लोग वहां पहुंचे और इसकी सूचना स्थानीय थाना दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना देर रात भर बच्चे की खोजबीन की। लेकिन बच्चा नहीं मिल पाया। गुरुवार की सुबह वह घर से ही कुछ दूरी पर स्थित नाले के किनारे झाड़ी से बरामद किया गया। वहीं दूसरी ओर मृत बच्चे के दादा कामदेव यादव ने मुंह व नाक बंद कर बच्चे की हत्या करने का आरोप लगाया है। इसके अलावा उन्होंने अपने एवं अपने बेटे के उसके ससुराल एवं अपने गांव में किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार के विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है।

भोजपुर में ठनका गिरने से बुजुर्ग की मौत

आरा। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में बुधवार की शाम ठनका गिरने से बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मच रही। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी स्व.शहबान मियां के 64 वर्षीय पुत्र हैदर अली हैं एवं वह पेशे से किसान थे। इधर शाहपुर प्रखंड के वार्ड नंबर चार के वार्ड सदस्य शरफुद्दीन अंसारी ने बताया कि वह पेशे से किसान थे। लेकिन कब्रिस्तान में कुछ पौधे सरकार की ओर से लगाए गए थे। जिसकी देखभाल भी करते थे। बुधवार की शाम वह जब बारिश हो रही थी। तभी बारिश में वह कब्रिस्तान में पौधा देखने गए थे। उसी दौरान अचानक उन पर ठनका गिर पड़ा। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद आसपास के खेत में मौजूद ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन फौरन वहां पहुंचे और उनके शव को घर ले आए। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी लैलुन निशा,तीन पुत्री नाजो,सबया,मुस्कान व दो पुत्र आरिफ अंसारी एवं अबरार अंसारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी लैलुन निशा एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

जलालपुर के फुटानी बाजार पर राजद नेता ने की प्याऊ की व्यवस्था

छपरा। जलालपुर प्रखण्ड के फुटानी बाजार के दुकानदार या ग्रामीणों को कई वर्षो से शुद्ध पानी की व्यवस्था नही थी। ताकि प्यासे लोग अपनी प्यास को बुझा सकें। क्योंकि उक्त बाजार और पानी की व्यवस्था नहीं थी, जिस कारण दर्शन करने आने वाले भक्तों को परेशानी होती थी। लेकिन इस बार से यहां प्याऊ की भी व्यवस्था कर दी गई है। उक्त बातें स्थानीय विधान परिषद के पूर्व प्रत्याशी सह राजद नेता सुधांशु रंजन ने शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का फीता काट कर शुभारंभ करने के दौरान कही। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय जलालपुर प्रखंड क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र फुटानी बाजार पर विगत दस वर्षों से एक से बढ़ कर एक पंडाल का निर्माण किया जाता है, जिस कारण जिले में चर्चा का केंद्र बना रहता है। लेकिन यहां पर पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं थी। जिससे यहां दुर्गा पूजा के दौरान आने वाले लगभग डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु भक्तों को लाभ नही मिल रहा था। राजद नेता सुधांशु रंजन ने स्थानीय बाजार वासियों से कहा कि अगले साल यहां दस चापाकाल लगाए जाएंगे। ताकि मेला में आने वाले भक्तों और स्थानीय ग्रामीणों को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष छोटेलाल प्रसाद सुमन, पूर्व प्रखंड प्रमुख उपेंद्र कुमार सुमन, स्थानीय जलालपुर प्रखंड के राजद अध्यक्ष श्रीराम राय, चंदन तिवारी, विकास सिंह, रंजन तिवारी, अभिषेक तिवारी, सोनू कुमार यादव, पिंटू तिवारी, मनीष कुमार, दीपक यादव सहित कई अन्य उपस्थित थे।

विधायक ने उच्च विद्यालय का किया उदघाटन

जहानाबाद। मखदुमपुर के स्थानीय विधायक सतीश कुमार ने प्रखंड के धरौत पंचायत में 10+2 उच्च विद्यालय के भवन का उद्घाटन किया। मौके पर शिक्षकगण सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित हुए। इस स्कूल के उदघाटन पर शिक्षक बच्चे और स्थानीय लोगो में खुशी दौड़ पड़ी। इस दरमियान स्थानीय विधायक सतीश कुमार की लोग जमकर तारीफ करते दिखे। वहीं विधायक ने बात करते हुए बताया कि धरौत का एक ऐतिहासिक विद्यालय था लेकिन इसके पास अपना भवन नहीं था। स्थानीय लोगो और बीपीएससी पास कर बने शिक्षकों की भी इस भवन की मांग थी। इसी कड़ी में हमने पहल करते हुए आज इस भवन को खड़ा करा दिया अब यहां बच्चों की सुचारू रूप से पढ़ाई होगी। साथ ही विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अगर हमें विधायक निधि फंड का पूरा पैसा भी लगाना पड़े तो लगाएंगे। लेकिन शिक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि ललन यादव, शरीक फतह, शैलेश यादव, ऋषव कुशवाहा, बिल्ला यादव,मुस्तफा कमाल, महेश सिंह, श्याम यादव, झूलन यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

दशहरा के मेले में मौसम करेगा खेला

आरा। शक्ति की आराधना के महापर्व नवरात्र के आठवें दिन मां मां महागौरी की आराधना हो रही है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार सूबे के लोग बारिश से परेशान हो सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार दुर्गा पूजा के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश का अनुमान है। विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल और आसपास के उत्तरी भागों पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो समुद्र तल से औसतन तीन किलोमीटर ऊपर फैला हुआ है। इसका प्रभाव बिहार पर पड़ने से दशहरा के मेले के दौरान कई स्थानों पर बारिश हो सकती है। वहीं मॉनसून बिहार से तीन से चार दिन में पूर्णत विदा हो जाएगा। मौसम को बदलते तेवर से अब रात में गुलाबी ठंड भी लगने लगी है। बक्सर, आरा, गोपालगंज, सीवान, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और गोपालगंज में आज बारिश की संभावना है। वहीं पटना और आसपास के इलाकों में आज दिन में धूप खिली रहेगी, जिससे लोगों को हल्की गर्मी और उमस महसूस होगी। वहीं शाम ढ़लते हीं हवा का रुख बदलने और बादल छाने से मौसम सामान्य हो जाएगा। पुरवा हवा के प्रवाह के कारण रात के तापमान में गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार को सूबे के कुछ हिस्सों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

महाअष्टमी पर आरण्य देवी के दर्शन के लिए भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, देर शाम तक लगी रही कतार

केटी न्यूज/आरा

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन गुरुवार को देवी दुर्गा के अष्टम स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना की गई। महाअष्टमी को पूजन करने के लिए पूजा पंडालों एवं मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी रही। मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताय कि शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर गुरुवार की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का सैलाब उमड़ पडा। लोगों को देवी दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ा। मां आरण्य देवी की प्रतिमा एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से फूल से सजाया गया था।

मंदिर निर्माण में दिल खोलकर किया दान

आरा। मां आरण्य देवी मंदिर में दर्शन करने आए हजारों की संख्या में श्रद्धालु-भक्तों ने महाअष्टमी पर दिल खोलकर दान दिया। मां आरण्य देवी मंदिर ट्रस्ट के मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया कि मंदिर निर्माण में दान देने के लिए लोगों में होड़ मची रही। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा दो काउंटर बनाया गया था। जहां लोगों ने अपने शक्ति और हैसियत के अनुसार दान और सहयोग दिया। दान देकर लोग अपने आप को पूण्य के भागी बन रहे थे। आज दो भक्त ने सर्वाधिक 51-51 हजार रुपए दान के रूप में दिया। इसके अलावे दरबार में दर्शन करने आए हजारों भक्तों ने मंदिर निर्माण में अपना सहयोग दिया और आगे भी सहयोग और सामग्री देने की बात कही।

पुलिस-प्रशासन की टीम रहा मुस्तैद

आरा। शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी को लेकर मां आरण्य देवी मंदिर में श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। करीब दर्जन भर से अधिक महिला-पुरुष पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य को निभाते रहें। इसकी अलावे दंडाधिकारी भी मंदिर परिसर में अपना कर्तव्य निभाते दिखे। शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी तिथि के मौके पर मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालु-भक्तों के बीच बेसन से निर्मित बुदिया का वितरण किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में दर्शन करने आए श्रद्धालु-भक्तों के बीच बुंदिया, का वितरण किया गया।

लहेरिया कट मारने के चक्कर में दो बाइक सवारों की गई जान

छपरा। सारण में सड़क दुर्घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है। छपरा के मुफ्फिसल थाना क्षेत्र के मीरा मुशेहरी के समीप देर रात लहरिया कट मारने के चक्कर में दो लड़कों की मौत हो गई वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनमे एक का हाथ पूरी तरह अलग हो चुका है। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जाता है कि चारों दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर मेला घूमकर आ रहे थे, तभी खड़े ट्रक में ठोकर मार दिया। डायल 112 के द्वारा उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां दो को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दो का इलाज जारी है। बिहार में 80 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं मानवीय गलती से होती है, जबकि 72 प्रतिशत मामले ओवर स्पीडिंग की वजह से है।

रामलीला - सातवां दिन : अत्री अनसूया और सीता हरण के दृश्य देख दर्शकों की आंखें हुईं नम

बाली वध, लंका दहन, विभीषण शरण गति का हुआ मंचन

केटी न्यूज/आरा (भोजपुर)

रामलीला के आठवें दिन 400 वर्ष पुरानी संस्था नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा और समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रभु श्री राम का आरती किया गया उसके बाद वृंदावन मंडली के कलाकारों द्वारा प्रथम दृश्य में महर्षि अत्रि और माता अनसूया से राम और सीता की भेंट को दशार्या गया जिसमें माता अनसूया सीता को पति धर्म बतलाती दिख रही है. दूसरे दृश्य में मारीच की सहायता से राम और लक्ष्मण को सीता से दूर भेज कर रावण द्वारा छल से सीता का हरण दिखाया गया।

तृतीय दृश्य में सुग्रीव और बाली के बीच में युद्ध दिखाया दिखाया गया और प्रभु श्री राम बालि का वध करते दिखाए गए .उसके पश्चात सुग्रीव द्वारा हनुमान को सीता की खोज में लंका भेजा जा रहा है जहां पर सीता से मिलकर हनुमान प्रभु राम का संदेश देते हैं. अशोक वाटिका में अक्षय और मेघनाथ का हनुमान से युद्ध दिखाया गया. उसके बाद हनुमान द्वारा लंका दहन का दृश्य दशार्या गया. इस दृश्य के बाद विभीषण द्वारा रावण को धर्म की नीति सिखाया जा रहा है।

मगर रावण विभीषण को लात मार कर भगा देता है. जिससे वह प्रभु श्री राम के शरण में चला जाता है. मंडली द्वारा कार्यक्रम का मंचन बहुत ही सराहनीय था. अध्यक्ष सोनू राय ने आज की पीढ़ी को विभीषण से धर्म की शिक्षा और हनुमान से अपने स्वामी के प्रति वफादारी और अनसूया से पति धर्म जैसे शिक्षा लेने की बात कही।

उन्होंने आए हुए अतिथियों का अभिवादन किया और वृंदावन की मंडली के इस मंचन के लिए सराहना की. मुख्य अतिथियों में बीरबल यादव ,अमित केसरी, राकेश रंजन उर्फ पुतुल जी, सूर्यकांत पांडे , अजय जी, मुन्ना सिंह, हरेंद्र पांडेय, मनोज सिंह, मंटू सिंह, संरक्षक मंडल में हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद ,उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, विजय भारती, मदन प्रसाद, शंभूनाथ केसरी ,सचिव शंभूनाथ प्रसाद ,मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया इस कार्यक्रम की जानकारी प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने दिया।

कृषि यंत्रों पर मिल रहा अनुदान, 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

केटी न्यूज/लखनऊ

डबल इंजन सरकार अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसानों के हित में अनेक कार्य व योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में योगी सरकार कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्र- कृषि रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थ्रेसिंग फ्लोर व स्मॉल गोदाम पर अनुदान प्राप्त करने का अवसर किसानों को उपलब्ध करा रही है। इसके आवेदन के लिए किसान 23 अक्टूबर तक बुकिंग कर अवसर का लाभ उठा सकेंगे।

- डबल इंजन सरकार अन्नदाता किसानों के लिए चला रहीं अनेक योजनाएं
- 10 हजार से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों पर आवेदन के लिए शुरू हुई बुकिंग प्रक्रिया
- अनुदान प्राप्त करने के लिए www.agriculture.up.gov.in लिंक पर करना होगा आवेदन

www.agriculture.up.gov.in पर करना होगा आवेदन : कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन के लिए कृषि विभाग के वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'यंत्र पर अनुदान हेतु बुकिंग करें' लिंक पर क्लिक करना होगा। 10 हजार तक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्रों-कृषि रक्षा उपकरणों के लिए आवेदक कृषि विभाग के पोर्टल पर बुकिंग कर सकेंगे। इसके साथ ही, आवेदक अपने या परिवार के मोबाइल नंबर से ही आवेदन कर सकेंगे। कृषि बिल, बुकिंग की तिथि से 10 दिन के भीतर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। निर्धारित अवधि में बिल अपलोड न होने पर बुकिंग निरस्त हो जाएगी।

2500 रुपये देनी होगी बुकिंग धनराशि

10 हजार से एक लाख तक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग के लिए धनराशि 2500 रुपये होगी, जबकि एक लाख से अधिक अनुदान के कृषि यंत्रों के लिए यह राशि पांच हजार रुपये होगी। किसानों को आवेदन के समय ही यंत्रवार निर्धारित बुकिंग धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। लक्ष्य अवशेष न रहने व ई-लॉटरी में चयनित न होने वाले किसानों को बुकिंग धनराशि वापस कर दी जाएगी।

23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे किसान

- इच्छुक लाभार्थी/कृषक 23 अक्टूबर तक आवेदन कर सकेंगे। 9 से 23 अक्टूबर तक निर्धारित समयावधि में आवेदन किया जा सकेगा। विभागीय पोर्टल पर लक्ष्य से अधिक आवेदन की दशा में डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष विभागीय पोर्टल पर ई-लॉटरी के माध्यम से ब्लॉकवार लक्ष्यों के सापेक्ष लाभार्थी का चयन किया जायेगा।
- ई-लॉटरी व्यवस्था में लक्ष्य के अनुरूप चयनित किये जाने वाले लाभार्थियों की संख्या के अतिरिक्त लक्ष्य का 50 प्रतिशत तक क्रमवार प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जायेगी। लाभार्थियों के चयन/बुकिंग टोकन कन्फर्म होने की तिथि से कृषि यंत्र क्रय कर विभागीय पोर्टल पर क्रय रसीद, यंत्रों की फोटो व सीरियल नंबर तथा संबंधित अभिलेख अपलोड करने के लिए 30 दिन व कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग व फार्म मशीनरी बैंक के लिए अधिकतम 45 दिन का समय मिलेगा।
- निर्धारित मानक के यंत्रों को upyantratracking.in पर पंजीकृत यंत्र निमार्ताओं द्वारा पोर्टल पर अपलोड इन्वेंट्री में से किसी से भी क्रय कर सकेंगे।
- ई-लॉटरी हेतु स्थल, तिथि एवं समय की जानकारी आवेदकों को संबंधित जनपदीय उप कृषि निदेशक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

खबरें फटाफट

रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

चंदौली। सदर तहसील परिसर में बृहस्पतिवार को डिस्ट्रिक्ट डेमोक्रेटिक बार के पूर्व अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने नेतृत्व में अधिवक्ताओं की एक बैठक आहुति की गई। जिसमें देश के उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक संवेदना प्रकट किया ।गया। और दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दिया गया। इस दौरान संतोष कुमार सिंह ने कहा कि रतन टाटा ने अपनी जीवन की शुरूआत बहुत ही कठिन दौर से प्रारंभ किया। और उन्होंने अपनी मेहनत के बल पर उद्योग जगत में देश को पहचान दिलाया साथ ही अपने देश का नाम रौशन किया। उन्होंने देश के लाखों लोगों को रोजगार देकर उनके परिवार का भरण पोषण किया। इसे इंसान की भरपाई किसी रूप में संभव नही है। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता विद्या चरण सिंह,आंनद सिंह, राजबहादुर सिंह, राजेश मिश्रा, रवि प्रकाश सिंह, राघवेंद्र सिंह, मणिशंकर सिंह, अंकित सिंह, विजय कुमार उपस्थित रहे।

डीएम ने बड़सरी गांव के प्रधान का खाता किया सीज

बलिया। डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार ने शासकीय धनराशि के दुरुपयोग के आरोप में बेरूआरबारी ब्लाक के बड़सरी गांव के ग्राम प्रधान बृजानंद तिवारी के समस्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों के प्रयोग व संचालन पर अंतिम जांच आख्या प्राप्त होने तक रोक लगा दिया है। डीएम ने जिला विकास अधिकारी को अंतिम जांच अधिकारी नियुक्त किया हैं। गांव के पूर्व प्रधान अनिल तिवारी व प्रेमसागर तिवारी ने डीएम को आवेदन देकर ग्राम पंचायत में कराये गये निर्माण कार्यों में अनियमितता की शिकायत किया था। डीएम ने जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन कर जांच कराया। जांच में ग्राम पंचायत में लगायी गयी लाइट का क्रियाशील न होना, खड़ंजे के स्थान पर ब्रिक बैलास्ट आदि के प्रयोग को वित्तीय अनियमितता माना गया है।

आपसी विवाद में दिया घटना को अंजाम, गांव में पुलिस कर रही कैंप

धारदार हथियार और लाठी डंडे से पीट पीटकर युवक को उतारा मौत के घाट

केटी न्यूज/रेवती

स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत मुनछपरा गांव में बुधवार की देर शाम मनबढ़ो ने धारदार हथियार व लाठी डंडे से पीटकर युवक की हत्या कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद घटनास्थल पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक रेवती थाना क्षेत्र के मुन छपरा गांव निवासी बलिराम पाण्डेय (25) पुत्र स्व. राम सिंहासन पाण्डेय अपने से

करीब 20 मीटर आगे कुंए के पास बैठा था। इसी बीच किसी बात गांव के कमलेश गोंड़ से कहासुनी हो गई। आरोप है कि बलिराम को कमलेश आदि खींचते हुए अपने घर की ले गये और धारदार हथियार व लाठी डंडे से मार हत्या कर दिये। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने घटनास्थल का मुवायना कर अधीनस्थों को निर्देश दिए। घटना के बाद मृतक की मां पुष्पा देवी का रोते-रोते बुरा हाल है। मृतक छः भाइयों में सबसे छोटा था। घर पर मृतक अपने का भाई प्रेम कुमार तथा मां पुष्पा देवी के साथ रहता था।

क्या बोले पुलिस अधीक्षक

“पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि मौके का मुआयना कर लिया गया है। फॉरेंसिक टीम के द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर नियमानुसार आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर लिए हैं।

प्राइवेट नौकरी के लिए बाहर जाने वाला था युवक

बलिया। मृतक की मां पुष्पा पांडेय पत्नी स्वर्गीय राम सिहासन पांडेय की तहरीर के आधार पर कमलेश गोंड एवं शैलेंद्र गोंड के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। दोनों नामजद अभियुक्त पुलिस की हिरासत में है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। मृतक की मां पुष्पा देवी ने कहा कि मेरा पुत्र कल ही प्राइवेट नौकरी करने के लिए बाहर जाने वाला था। उसको चंडीगढ़ जाना था। क्यों कि बड़ा भाई वहीं प्राइवेट नौकरी करता है और बड़े भाई ने ही बलिराम के लिए नौकरी की बात किया था। मेरा बेटा बगल के रहने वाले भाई से कहा था कि भैया कल मुझे अपनी बाइक से स्टेशन पहुंचा देना। लेकिन उसको क्या पता था कि आज ही उसका अंतिम दिन है। हत्यारों ने उसकी हत्या कर दिया।

निगोह बाजार में ग्रामीणों ने किया जाम, पुलिस पर पथराव

केटी न्यूज/जौनपुर

- पुलिस ने किया लाठीचार्ज कई जवान घायल, पांच से ज्यादा उपद्रवी हिरासत में

बीते मंगलवार को थाना बरसठी क्षेत्र के गांव मगरमू निवासी युवक विवेक यादव की अपहरण के हत्या हो गयी थी।जिसका शव भदोही जनपद के सुरियावां में मिला था।मृतक विवेक के आक्रोशित परिजन बुधवार को मृतक का शव लेकर सीधे बरसठी थाने पहुंचे और हंगामा करने लगे।देर रात किसी तरह लोगो को समझा कर उनके गांव भेज दिया गया था।

उसी क्रम में गुरुवार को मृतक के परिजन व ग्रामीणों ने मिलकर निगोहा बाजार में शव रखकर रोड जाम कर दिया।इस दौरान कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और परिजनों को समझाने का कार्य कर रही थी।कि अचानक वहां मौजूद लोग उग्र हो गए और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया।बबाल मचता देख एसपी अजय पाल शर्मा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गए।इस दौरान पुलिस ने भीड़ को खदेड़ते हुए उपद्रव कर रहे लोगो पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया। उपद्रवियों ने पुलिस की गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा पथराव में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। एसपी अजयपाल शर्मा ने बताया मृतक के परिवार वालो के साथ मिलकर कुछ लोगो ने रोड जाम करने की कोशिश की जा रही थी।

सामाजिक समरसता और सौहार्द के प्रतीक थे मुलायम सिंह यादव

- सादगी पूर्वक बनाई गई पूर्व मुख्यमंत्री की पुण्यतिथि

केटी न्यूज/बलिया

नेताजी यानी स्व.मुलायम सिंह यादव समाजिक समरसता और सौहार्द के प्रतीक थे समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास उनके राजनीति के केंद्र में रहा संघर्ष उनकी पूंजी तो संबंधों का मजबूती से निर्वहन में उनका कोई दूसरा उदाहरण नही हैं।

उक्त बाते स्व मुलायम सिंह यादव के द्वितीय पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने ब्यक्त किए। संगोष्ठी का विषय था "नेता जी और समाजिक न्याय"। अपने अध्यक्षीय संबोधन में फेफना विधायक और जिला अध्यक्ष संग्राम सिंह यादव ने कहा कि नेता जी दूरदर्शी सोच के व्यक्ति थे उन्होने हमेशा कमजोर और बांचितो की बात किया पंचायती राज व्यवस्था में कमजोर और महिलाओं को हक दिलाया।उत्तर प्रदेश के अंदर सैकड़ों की संख्या में ऐसे विधायक और सांसद हैं जो साधारण से भी साधारण परिवार से आए और नेता जी ने उन्हे सामाजिक पहचान दिलाया। सभी गरीब की बेटी पढ़े और आगे बढ़े यह सोच स्व.मुलायम सिंह यादव की थी इसे साकार किया कन्याविद्याधन योजना देकर।हर घर में शौचाल योजना की शुरूआत देश सबसे पहले नेता जी ने ही किया था।

नेताजी की कथनी व करनी में फर्क नहीं : राकेश

जौनपुर। ज़िला समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में नगर के होटल मंगलम में समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षामंत्री, पदम विभूषण धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने स्व. मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर विचार व्यक्त किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि नेताजी ने समाज को नई दिशा देने का काम किया. नेताजी ने समाजवादी विचारधारा से जोड़कर चलने के लिए जो रास्ता दिखाया है, उसी रास्ते पर हम समाजवादी लोग चल रहे हैं. आज के दिन हम लोग संकल्प लेते हैं कि समाजवादी मूल्यों और समाजवादी सिद्धांतों को और बढ़ाकर लोगों के जीवन से बदलाव लाएंगे। नेताजी ने पूरा जीवन इसी में निकाल दिया कि उनके साथ-साथ उनके लोगों का जीवन बदले। इसी विचारधारा पर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं।

एक नजर

अग्रवाल धर्मशाला में मना कन्या पूजन समारोह

बलिया। सेवा भारती द्वारा गुरुवार को आयोजित कन्या पूजन समारोह बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया ' कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अम्बेश जी ने विजयादशमी क्यों मनाई जाती है इस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह त्योहार रावण और महिषासुर पर विजय के दिन के रूप में मनाया जाता है ' उन्होंने कहा कि आज हम सभी संकल्प लें कि रावण और महिषासुर मे जो अवगुण थे उसे हम अपने अंदर ना आने दे और उसमें से अगर एक भी अवगुण हमारे अंदर हैं तो हम यह प्रण ले कि उसे हम समाप्त करेंगे और समाप्त तभी हो सकता है जब हम सेवा का भाव अपने अंदर जागृत करें ' सेवा ही वह शस्त्र है जिससे रावण एवं महिषासुर रूप की राक्षस का अंत किया जा सकता है ' इस अवसर पर सतीश चंद्र कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉक्टर प्रतिभा त्रिपाठी ने कहा कि विजयदशमी का पर्व सिर्फ रावण के वध और राम की विजय का ही पर्व नहीं है इसके मूल में संघर्ष की जगह सेतु रूपी शांति स्थापित करना ही राम तत्व है राम जोड़ने की बात करते हैं तोड़ने की नहीं। कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट अतिथि एवं सेवा भारती के प्रान्तीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर रामकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि आज समाज की बड़ी आवश्यकता है जहां कहीं भी सनातनी घटे हैं समाज बटा है और वहाँ-वहाँ देश कटा है इसलिए हम सक्षम लोग यदि चाहते हैं। देश पुन: विश्व गुरु सोने की चिड़िया दूध दही का देश हो, पुन: पहले से भी अधिक गौरवशाली हो तो स्वयं अपने समाज के वंचित शोषित, पीड़ित और उपेक्षित रूपी सबरी के दर पर जाएं नर सेवा नारायण सेवा द्वारा समाज को टूटने से बचा उन्हें जोड़कर समाज और राष्ट्र को सशक्त समृद्ध बनाने का प्रयास करें तभी विजयादशमी त्योहार मनाना सार्थक होगा।

अटाला माता मंदिर केस में न्यायालय ने दिया प्रकाशन का आदेश अगली सुनवाई 16 नवंबर

जौनपुर। आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट के अटाला माता मंदिर केस संख्या-72/2024 , श्री भगवान श्री अटाला माता@अटाला देवी आदि बनाम उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक़्फ बोर्ड आदि में न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 16 नवम्बर नियत की। वादी अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि आज दौरान सुनवाई न्यायालय में उन्होंने आदेश 1 नियम 8 सीपीसी का प्रार्थना पत्र दिया था जिसका निस्तारण करते हुए न्यायालय ने आदेश किया है। वादी

अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि माननीय न्यायालय ने अपने आदेश में वादी पक्ष को 7 दिन के भीतर प्रकाशन की कार्यवाही व अटाला माता मंदिर क्षेत्र में मुनादी करवाने का आदेश दिया है ताकि सभी हितबद्ध व्यक्ति 16 नवंबर को न्यायालय में अपना पक्ष रख सकें। वादी अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया माननीय न्यायालय के आज के आदेश से विपक्षी संख्या-1 उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक़्फ बोर्ड व विपक्षी संख्या-2 प्रबंधन कमेटी अटाला मस्जिद अपना पक्ष माननीय न्यायालय में रख सकते है। अटाला माता मंदिर केस माननीय सिविल जज(सी०डि०) श्री अनुज जौहर के न्यायालय में विचाराधीन है। आज दौरान सुनवाई वरिष्ठ अधिवक्ता बी डी मिश्रा,अधिवक्ता सूर्या परमार, अधिवक्ता विनीत त्रिपाठी ने बहस की व दौरान सुनवाई आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट के प्रदेश सचिव अनिमेष सिंह व जिलाध्यक्ष अमर प्रताप गौतम न्यायालय में मौजूद रहे। न्यायालय ने सुनवाई की अगली तिथि 16 नवंबर नियत की है।

सकारात्मक विचार रखें तथा नकारात्मक विचार से दूर रहें : डीएम

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं 25वें विश्व दृष्टि दिवस पर जिला अस्पताल के प्रांगण में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का फीता काटकर गुरूवार की दोपहर लगभग 3 बजे शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग की यह बहुत ही अच्छी पहल है। आज के समय में जिस चीज की सबसे बहुत ज्यादा जरूरत है, वह है मानसिक स्वास्थ्य। मानसिक स्वास्थ्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज के समय में हर एक व्यक्ति बहुत ही तनाव में है, चाहे वह अपने काम को लेकर तनाव में हों या परिवार का तनाव हो या समाज का तनाव हो या परीक्षा में टॉप करने का तनाव हो या अच्छे पद पर पहुंचने का तनाव। उन्होंने कहा कि जो जीवन शैली है और जिस प्रकार से हमने उन्नति की है, उसके साथ ही तनाव भी अधिक हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें इस तनाव को हैंडल करना होगा। इसके लिए हम अपने परिवार का सहयोग लें, अपने लिए समय निकालें, सकारात्मक विचार रखें तथा नकारात्मक विचार से दूर रहें। इससे हम तनाव से निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को छुपाएँ नहीं, बल्कि डॉक्टर को दिखाएं व अपना उपचार कराएं। उन्होंने विश्व दृष्टि दिवस पर कहा कि अपने आंखों एवं अपने बच्चों के आंखों का विशेष ध्यान रखें तथा नियमित रूप से जांच कराते रहें। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ विजय पति द्विवेदी ने कहा कि मानसिक बीमारी से ग्रसित लोगों को झाड़ फूंक से बचना चाहिए। सही समय पर उचित परामर्श ही इस बीमारी का सही निदान है।

महिलाओ व बालिकाओं ने सक्सेज स्टोरी एवं किए गए उत्कृष्ट कार्य के विषय में साझा किया अपना अनुभव

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं व बालिकाएं सम्मानित

केटी न्यूज/बलिया

- डीएम ने प्रमाण-पत्र एवं मोमेंटो देकर किया सम्मानित

जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने "मिशन शक्ति" विशेष आभियान के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित "अनंता" प्रेरक महिलाओं तथा बालिकाओं की पहचान व सम्मान मेगा ईवेन्ट के माध्यम से समाज में बदलाव के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं व बालिकाओं के सम्मान समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभांरभ किया।

जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली पुलिस विभाग की महिला कार्मिकों को प्रमाण-पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। बाल विकास पुष्टाहार विभाग की महिला कार्मिकों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, महिला ग्राम प्रधानों, माध्यमिक शिक्षा विभाग की छात्राओं व अध्यापिकाओं, बेसिक शिक्षा विभाग की छात्राओं व अध्यापिकाओं, महिला उद्यमियों, महिला खिलाड़ियों, महिला पार्षद, महिला अधिकारियों तथा एनसीसी कैडेट बालिकाओं को प्रमाण-पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में महिलाओ व बालिकाओं द्वारा सक्सेज स्टोरी एवं किए गए उत्कृष्ट कार्य के विषय में अपने अनुभव साझा किया गया। महिला थानाध्यक्ष कल्पना मिश्रा ने नौकरी की तैयारी में आने वाली कठिनाई एवं

नौकरी में रहते हुए समाज के लिए कर रही कार्यों के विषय में अपने अनुभव साझा। प्रधानाध्यापिका प्रतिमा उपाध्याय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे बच्चों के माता-पिता के साथ बैठक करती हैं। कुछ बच्चों की माताएं हस्ताक्षर नहीं कर पाती थी, उनके द्वारा ऐसी माताओं को साक्षर किया गया, जिससे वे कम से कम अपना हस्ताक्षर कर सकें।

महिला उद्यमी नीति अग्रवाल ने बताया कि वे सत्तू का व्यवसाय करती हैं, इस व्यवसाय में ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा गया है। लगभग 500 महिलाएं कार्य कर रही हैं। निवर्तमान ग्राम प्रधान स्मृति सिंह एवं सभासद संगीता देवी ने अपनी राजनीतिक जीवन के अनुभव को साझा किया तथा महिला खिलाड़ी

मुस्कान ने अपनी अब तक की खेल यात्रा के विषय में अनुभव साझा किया। जिलाधिकारी ने महिलाओं व बालिकाओं से कहा कि आप लोगों की सक्सेज स्टोरी सुनकर बहुत अच्छा लगा। आप लोगों की सक्सेज स्टोरी बहुत ही प्रेरणादायक है, इससे अन्य महिलाओं-बालिकाओं को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलेंगी। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल झा एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुमताज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी कर्मी बता तीन लोगों ने लिया 32 लाख लोन, केस दर्ज

रांची, एजेंसी। रांची में सरकारी विभाग का कर्मचारी बताकर बैंक से लाखों रुपए ऋण लेने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज कराया गया है। दीपाटोली एसबीआई शाखा के मुख्य प्रबंधक ने हजारीबाग निवासी नागेश्वर रविदास, गिरधर यादव और बोकारो की नीलम निलय को आरोपी बनाया है। आरोप है कि तीनों ने विभिन्न विभागों के फर्जी पहचान पत्र और वेतन स्लिप देकर बैंक से 32 लाख से अधिक का लोन लिया है। बैंक अधिकारियों की जांच में इसका खुलासा हुआ। इसके बाद केस दर्ज कराया गया। आरोप है कि नागेश्वर ने पथ निर्माण विभाग का कर्मी बनकर 5 ।75 लाख और छह लाख रुपए जनवरी 2020 में लोन लिया था। नीलम ने नवंबर 2022 में 10 लाख और अप्रैल 2023 को पांच लाख दीपाटोली शाखा से लोन लिया था। उसने खुद को वन विभाग का कर्मी बताया था। गिरधर ने खुद को सीएमपीडीआई कर्मी बता नवंबर 2022 को 6 ।10 लाख का लोन लिया था। बैंक में विभाग से पत्रचार किया तो मामले का खुलासा हुआ। मुख्य प्रबंधक ने पुलिस को बताया कि तीनों ने बैंक को फर्जी कागजात जमाकर धोखाधड़ी कर लोन लिया है।

निजी अस्पतालों, पैथोलॉजी जांच घरों में प्रदर्शित होगा रेट चार्ट

धनबाद, एजेंसी। निजी अस्पताल, क्लीनिक, नर्सिंग होम समेत जिले के तमाम पैथोलॉजी जांच घर संचालकों में विभिन्न बीमारियों के इलाज से संबंधित रेट चार्ट प्रदर्शित करना होगा। मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने इससे संबंधित आदेश जारी किया है। आदेश में सिविल सर्जन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि क्लीनिकल इस्टेब्लिशमेंट एक्ट-2010 के तहत सभी निजी अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम संचालकों को अपने-अपने संस्थान के बाहर विभिन्न बीमारी के इलाज से संबंधित दर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करना है। आदेश निर्गत होने के सात दिनों के अंदर सभी अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम संचालकों को प्रदर्शित दर की तसवीर खींच स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराने को भी निर्देशित किया गया है। साथ ही सभी को सीइए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। बिना सीइए लाइसेंस के अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम का संचालन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी सीएस ने दी है। बता दें कि सांसद ढुलू महतो ने उपायुक्त माधवी मिश्रा को पत्र लिख निजी अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम के मनमानी पर रोक लगाने का आग्रह किया था। सांसद ढुलू महतो ने अपने पत्र में कहा था कि निजी अस्पतालों में इलाज का दर निर्धारित नहीं होने के कारण इलाजरत मरीजों का परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विभिन्न बीमारियों का दर प्रदर्शित नहीं होने के कारण निजी अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम संचालक मरीजों से मनमाने तरीके से पैसे वसूल करते हैं। उन्होंने इसपर रोक लगाने का आग्रह उपायुक्त से किया था। सांसद के पत्र के आलोक में उपायुक्त माधवी मिश्रा ने सीएस को कार्रवाई का निर्देश दिया था।

झारखंड में पुलिस कर्मियों की छुट्टी को लेकर आया बड़ा निर्देश,

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस के एडीजी अभियान डॉ। संजय आनंदराव लाठकर ने सभी जोनल आइजी, रेंज डीआइजी, एसएसपी, एसपी आदि को निर्देशित किया है कि दुर्गापूजा के कारण 15 अक्टूबर तक पुलिसकर्मियों की छुट्टियां स्थगित रहेंगी। दुर्गापूजा के मद्देनजर सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था ड्यूटी में जिलों में बड़ी संख्या में बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। विशेष परिस्थिति में संबंधित एसपी, डीआइजी व आइजी के माध्यम से ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा ।एडीजी ने सभी अधिकारियों को सिपाही से पुलिस निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों को तैयार हालत में रखने का निर्देश दिया है ।जमशेदपुर जिला पुलिस प्रशासन ने दुर्गा पूजा पर नौ अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक नो इंट्री के समय में बदलाव किया है। यातायात डीएसपी के आदेशानुसार नौ से 12 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह पांच से 11 ।30 बजे तक भारी वाहनों का आवागमन दोनों ओर से होगा ।वहीं, प्रत्येक दिन 11 ।30 बजे पूर्वाहन से अगले दिन सुबह पांच बजे तक बसों को छोड़कर भारी वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा। 12 और 13 अक्टूबर को सुबह छह से विसर्जन होने तक भारी वाहनों का परिचालन नहीं होगा। वहीं प्रशासन की ओर से सुरक्षा दृष्टि से कुछ मानक तय किए है। मरीन ड्राइव पर नौ से 13 अक्टूबर तक पूर्वाहन 11 ।30 बजे से प्रात पांच बजे तक भारी वाहनों का परिचालन नहीं होगा।

झारखंड के कर्मचारियों को मिलेगा बीमा का लाभ, 5 लाख तक कवर

झारखंड सरकार कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर ऐलान किया है। कर्मचारी इसका लाभ 1 नवंबर से उठा सकेंगे। इस बीमा के अंतर्गत 5 लाख तक का कवर दिया जाएगा। सरकार ने इसके लिए डिटेल मांगी है।

रांची। राज्य सरकार के कर्मियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवार को आवश्यकता पड़ने पर एक नवंबर से झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान किया जाएगा। राष्टीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक सह झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी (जसास) के कार्यकारी निदेशक अबू इमरान ने इसका लाभ प्राप्त करने के लिए सभी लाभुकों से employeeswasthyabima.jharkhand.gov.in पोर्टल पर जाकर अपना और अपने परिवार के अर्हताधारी सदस्यों की जरूरी डिटेल्स उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि जिन लाभुकों ने अपना रजिस्ट्रेशन पूर्व में करा लिया है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन कराने की जरूरत नहीं है।

झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजनान्तर्गत राज्य के सभी सेवाओं के कार्यरत कर्मियों/सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को हर साल पांच लाख तक का कैशलेस उपचार का लाभ प्रदान किया जाएगा। इसके लिए बीते 30 सितंबर को जसास और टाटा एआईजी इंश्योरेंस कंपनी के बीच एमओयू किया गया है।

किनको मिलेगा स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी (जसास) के कार्यकारी निदेशक अबू इमरान ने कहा है कि झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत राज्य की सभी सेवाओं के राज्य कर्मियों/सेवानिवृत्त राज्यकर्मियों तथा उनके परिवार के आश्रित सदस्यों, जिनमें पति/पत्नी, पुत्र/वैध दत्तक पुत्र (25 वर्ष तक की आयु तक बेरोजगार), पुत्री/अविवाहित/विधवा/परित्यकता पुत्री/नाबालिग भाई एवं अविवाहित बहन, आश्रित माता-पिता (प्रतिमाह 9 हजार और उस पर तत्समय अनुमान्य महंगाई राहत से कम पेंशन पाने वाले) सम्मिलित होंगे। प्रति परिवार सम्मिलित रूप से 05 (पांच) लाख रुपए प्रति वर्ष की अधिसीमा के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा।

अखिल भारतीय सेवाओं के कर्मी ले सकते हैं लाभ : इसके साथ ही स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने हेतु यथा निर्धारित बीमा राशि का भुगतान कर विधानसभा के पूर्व सदस्य/पदाधिकारी/कर्मी, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत/सेवानिवृत्त एवं राज्य की अन्य सेवाओं के सेवानिवृत्त पदाधिकारी/कर्मचारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड/ निगम/ संस्थान/ संस्था में कार्यरत/सेवानिवृत्त नियमित कर्मी, राजकीय विश्वविद्यालयों एवं उनके अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालयों में कार्यरत/सेवानिवृत्त शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तरकर्मी भी झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पुटकी में कार के धक्के से बाइक सवार घायल, हालत गंभीर

धनबाद। धनबाद जिले के पुटकी-भागा लिंक रोड पर पुटकी के सरकारडीह तालाब के समीप बुधवार की देर शाम एक कार व बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में बाइक सवार धनेश्वर महतो घायल हो गया। उसकी स्थिति गंभीर है। घटना शाम करीब 7 बजे की है। बाइक (नंबर जेएच10 एल 1331) पुटकी बाज़ार की तरफ से आ रही थी, जबकि कार (नंबर जेएच10 एएच 1204) भागाबांध की ओर से आ रही थी। सरकारडीह तालाब के समीप दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। बाइक सवार धनेश्वर महतो (61 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। वह कच्छीबलिहारी 10 नंबर का रहने वाला है। कार चालक व उस पर सवार एक व्यक्ति वाहन छोड़कर भाग खड़े हुए। स्थानीय लोगों ने सड़क पर पड़े घायल बुजुर्ग को आनन-फ़ानन में पुटकी के निजी अस्पताल पहुंचाय। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। पुटकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों गाड़ियों को जब्तकर थाना ले गई।

113 अल्पसंख्यकों ने ग्रहण की आजसू की सदस्यता

लोहरदग्गा, एजेंसी। आजसू पार्टी लोहरदगा जिला के अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष शाहिद अंसारी के नेतृत्व में 113 अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय रांची जाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों ने एक स्वर से कहा कि नीरू शांति भगत लोहरदगा आजसू पार्टी की सर्वमान्य नेत्री हैं। अपने पति लोहरदगा विधानसभा के लोकप्रिय विधायक झारखंड आंदोलनकारी स्व कमल किशोर भगत के पद्चिह्नों में चलकर सभी धर्म और समाज के लोगों के लिए काम करने में विश्वास रखती हैं। सब के सुख-दुख में एक परिवार की सदस्य के रूप में शामिल होती रही है।

अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शाहिद अंसारी ने कहा कि नीरू शांति भगत सभी धर्म और समाज के लोगों की प्रिय नेत्री तो है हीं। वह अल्पसंख्यक समुदाय के दिल में बसी हुई हैं। उन्हें इस बार जीता कर झारखंड विधान सभा भेजने में अल्पसंख्यक समाज कोई कसर नहीं छोड़ेगा। सदस्यता ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से पार्टी की केंद्रीय महासचिव और लोहरदगा विधान सभा क्षेत्र की भावी प्रत्याशी नीरू शांति भगत केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत केंद्रीय सचिव सह लातेहार जिला प्रभारी लाल गुड्डू नाथ शाहदेव, शाहिद अंसारी,सलीम पांडू ,साजिद कलाल, कलीम खान, समीम अंसारी, कबीर अंसारी, मुख्तार अंसारी, वसीम राजा, जुल्फिकार, इरफान अंसारी, यूनुस अंसारी, जाकिर अंसारी, मोइन अंसारी, नजीर अली, साजिद , अब्दुल अंसारी ,बबलू अंसारी, असलम अंसारी, सिराज अंसारी, शमीम अंसारी, मुमताज अंसारी, मंजूर अंसारी, मकर मीर, मोशन खान, जावेद खान, शकील अंसारी, जमशेद खान, एकरामुल अंसारी, मुस्तफा खलीफा आदि उपस्थित थे।

झारखंड विस चुनाव : भाजपा में टिकट के दावदारों की धड़कनें बढ़ी, कई के टिकट कटेंगे, नये चेहरों को मिलेगा मौका

रांची, एजेंसी। झारखंड भाजपा में टिकट के दावेदारों की धड़कनें बढ़ गयी हैं। प्रदेश चुनाव समिति ने उम्मीदवारों के नामों की सूची आला नेताओं को सौंप दी है। उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू हो गया है। प्रत्याशियों के नामों पर अंतिम फैसला संसदीय बोर्ड लेगा। विजयादशमी के बाद के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होने की संभावना है। झारखंड की सभी विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम के पैनल पहले ही बन चुके थे। इसके बाद विधानसभा वार उम्मीदवारों के नाम पर रायशुमारी की गयी थी।

रांची और बोकारो से भाजपा उम्मीदवार बदल सकती है : सूत्रों के अनुसार संसदीय बोर्ड के पास पहले तीन नामों की सूची भेजी गयी थी। इसके बाद दो नामों की सूची भेजी गय। सूत्रों की मानें तो जिन नामों की सूची भेजी गयी है, उसमें रांची और बोकारो से भाजपा उम्मीदवार बदल सकती है। जानकारी के अनुसार कई सीटों पर भाजपा नये चेहरों को मौका दे सकती है। रांची से सीपी सिंह और बोकारो से विरंची नारायण की जगह नये चेहरे को मौका दिये जाने की बात कही जा रही है। वहीं कई अन्य् सीटों पर भी नये चेहरों को मौका मिल सकता है।

इन सीटों के संभावित उम्मीदवार : हटिया- नवीन जायसवाल, पूर्वी सिंहभूमः रामबाबू तिवारी, सिसई-अरूण उरांव, खूंटी-नीलकंठ सिंह मुंडा, सरायकेला- चंपाई सोरेन, राजमहल- अनंत ओझा, जामा- जयश्री सोरेन, नाला- अरूप चटर्जी, सिंदरी- तारा देवी, देवघर- विनिता पासवान, गांडेय- प्रणव वर्मा, जमुआ- कामेश्वर पासवान, गिरिडीह- रवींद्र राय, बेरमो- रवींद्र पांडेय, टुंडी- राजीव कुमार ओझा, शिकारी पाड़ा- सुनील हांसदा, दुमका- सुनील सोरेन, राजधनवार- बाबूलाल मरांडी, झरिया-रागिनी सिंह, धनबाद- चंद्रशेखर अग्रवाल, निरसा- अर्पणा सेनगुप्ता, जामताड़ा- दुबराज मंडल, बोकारो- रोहित लाल सिंह

भाजपा कार्यालय में मना हरियाणा की जीत का जश्न, बाबूलाल मरांडी बोले, यह पीएम मोदी पर विश्वास की जीत है

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को हरियाणा और जम्मू कश्मीर राज्य के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद उत्सव मनाया गया। कार्यकर्ताओं संग प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी ढोल बाजे के साथ खूब थिरके। पटाखे फोड़े और मिठाईयां भी बांटी।

मरांडी ने पीएम नरेंद्र मोदी,राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,गृह मंत्री अमित शाह सहित केंद्रीय नेतृत्व सहित पार्टी नेताओं,कार्यकर्ताओं सहित जनता को बधाई और शुभकामनाएं दी। कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नीतियों कार्यक्रमों के साथ प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व,विकास योजनाओं पर जनता का भरोसा बढ़ा है। षड्यंत्रकारियों की पोल खुली है। हरियाणा की जनता ने भाजपा के पिछले 10 वर्षों के काम पर फिर से मुहर लगा दी है। हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के झूठ और षडयंत्र को भी नाकार दिया है।

पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व की जीत : रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की जीत है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता भी आनेवाले विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा नेतृत्व की सरकार बनाएगी। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा की नीति और नीयत को देश और प्रदेश की जनता समझ चुकी है इसलिए लगातार भाजपा पर भरोसा बढ़ा है। पहले पीएम मोदी के नेतृत्व में और अब हरियाणा की हैट्रिक बनाकर जनता ने धोखेबाज दलों को सबक सिखाया है।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह,कार्यालय मंत्री हेमंत दास,प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रदेश प्रवक्ता अजय साह,जिलाध्यक्ष वरूण साहू, योगेन्द्र प्रताप, रमेश सिंह, पूजा सिंह, विनय सिंह, राजू सिंह, वलराम सिंह, धमेन्द्र दूबे मनोज दूबे, देवराज सिंह, पंकज सिन्हा, मृत्युंजय कुमार, सुरेन्द्र मण्डल, कुंदन कुमार, सुबोध कांत,अरुण झा,सुधीर श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दूसरे से दिलाई लिखित परीक्षा, फिजिकल के लिए खुद पहुंचा, गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। एसएससी की ओर से ली जा रही केंद्रीय सुरक्षा बल की कांस्टेबल की बहाली 2024 में लिखित परीक्षा किसी और से दिलाई। जब लिखित में सफलता मिल गई तो मंगलवार को खुद फिजिकल में शामिल होने पहुंच गया। कोयला नगर सीआईएसएफ ग्राउंड में सीटी/जीडी की बहाली की फिजिकल टेस्ट में शामिल होने पहुंचे झरिया तिसरा थाना क्षेत्र के जीनागोरा माड़ी गोदाम के पास रहनेवाले गणेश यादव को पकड़ कर सीआईएसएफ के अधिकारियों ने सरायढेला थाना के सुपुर्द कर दिया। सीआईएसएफ की ओर से नलिन कुमार चौबे ने सरायढेला थाना में दिए शिकायत में बताया कि छह मार्च को कांस्टेबल बहाली के लिए लिखित परीक्षा हुई थी।

उस दिन बायोमीट्रिक्स अटेंडेंस के साथ अभ्यर्थियों की तस्वीर ली गई थी। लिखित परीक्षा के आधार पर मंगलवार को अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था। यहां पहुंचे गणेश यादव के बाएं हाथ के अंगूठे का निशान का मेल बायोमीट्रिक्स मशीन से नहीं हुआ तो वह संदेह के घेरे में आ गया। उसका फोटो भी अलग पाया गया।

पूछताछ में गणेश ने स्वीकार कर लिया कि उसके बदले किसी अन्य ने लिखित परीक्षा दी थी। इसके बाद सीआईएसएफ और सीआरपीएफ मुख्यालय के निर्देश पर उसे सरायढेला पुलिस के हवाले कर दिया गया। गणेश के बदले किसी अन्य ने परीक्षा दी। छद्म वेश धारण कर सरकारी नौकरी पाने की साजिश रचने के मामले में गणेश के अलावा एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस गणेश से पूछताछ कर रही है कि उसके बदले कौन लिखित परीक्षा में शामिल हुआ था। पुलिस उसे भी गिरफ्तार करेगी। बुधवार को गणेश को जेल भेजा जाएगा।

ऑनलाइन गेम के चक्कर में सब कुछ खो दिया, झारखंड में 22 साल के युवक ने लगा ली फांसी

दुमका। झारखंड के दुमका के कमारटक गांव में ऑनलाइन गेम में रुपए हारने के बाद आहत 22 साल के प्रहलाद दर्वे ने अपनी दुकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि रामगढ़ थाना क्षेत्र के कमारचक गांव में युवक रहता था। युवक शादीशुदा था और एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

चलाता था मोबाइल की दुकान

वह घर पर ही दुकान मोबाइल रिचार्ज का दुकान खोल रखा था। उसके पिता दैनिक मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ था। घर पर वह अपनी पत्नी व मां के साथ रहता था। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि युवक को मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलने की लत गई थी। वह गेम में हजारों रुपए हार चुका था।

गेम के चक्कर में सब कुछ खो दिया दुकान का सारा पूंजी उसने गेम खेलने में उड़ा दिया था। घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। वह घर चलाने में असमर्थ हो गया था। ऑनलाइन जुए में रुपए हार जाने के बाद वह सदमे में चला गया था। रात में उसने अपने दुकान में फांसी का फंदा लगाया और लटककर जान दे दी। घटना की जानकारी रामगढ़ थाना की पुलिस को सुबह में हुई। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पीजेएमसीएच में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है।

वहीं एक अन्य मामले में दुमका के पुराने सदर अस्पताल के परिसर से एक महिला के शव को बरामद किया गया है। शव की पहचान नहीं हुई है। नगर थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने बताया कि उक्त महिला विक्षिप्त थी और अस्पताल में इधर-उधर घूमती रहती थी। शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है।

निर्वाचन आयोग से झामुमो सम्मान योजना लागू करने की मांगी इजाजत

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने निर्वाचन आयोग को एक आवेदन देकर झामुमो सम्मान योजना के लिए फॉर्म भरवाने की अनुमति मांगी है। इसके तहत महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देने का वायदा किया जायेगा यानी हर महिला को हर साल 30 हजार रुपये मिलेंगे।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि यदि निर्वाचन आयोग ने भाजपा को फॉर्म भरवाने की इजाजत दी है, तो झामुमो को भी इसकी इजाजत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये दे रही है। महिलाओं के खाते में तीसरी किस्त डाला जा चुका है। इसके जवाब में भाजपा ने राज्य भर में गोगो दीदी योजना लाने का प्लान तैयार किया। इसके लिए पूरे राज्य में महिलाओं से एक फॉर्म भरवाया जा रहा है। इसमें वायदा किया जा रहा है कि यदि सरकार बनी तो महिलाओं को 2000 रुपये प्रति माह दिया जायेगा।

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

सुभाषितम्

धैर्य तो प्रतिभा का एक आवश्यक तत्व है।

- डिजरायली

टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा

भारत के रत्न कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। टाटा समूह की विरासत के वह एक ऐसे उत्तराधिकारी थे, जिन्होंने अपने पूर्वजों की तरह अपने औद्योगिक साम्राज्य को देश और विदेश तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा के वह चौथे वंशज थे। रतन टाटा ने अपने जीवन-काल में टाटा समूह की दौलत को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। उन्होंने नैतिक मूल्यों और सादगी के साथ सामाजिक दायित्वों को पूरा किया। उन्होंने टाटा समूह के कारोबार को नैतिकता के साथ बढ़ाया। सामाजिक दायित्व में भारत के हर नागरिक के बीच में अपनी और टाटा समूह की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने भारत के गौरव, भरोसे और कारोबार की पताका दुनिया के कई देशों में फहराई है। सारी दुनिया को रतन टाटा ने जो संदेश दिया, उसकी गूंज अब दुनिया के सभी देशों में सदियों तक सुनाई देगी। 1868 में अंग्रेजों के शासनकाल में टाटा समूह की स्थापना हुई थी। टाटा समूह को भारत में औद्योगिक क्रांति के रूप में पहचाना जाता है। टाटा समूह की चार पीढ़ियों के इस लंबे सफर में, नैतिकता के साथ उद्योग और व्यापार में आगे बढ़ाते हुए, पूंजीवाद और समाजवाद का तालमेल और भारतीय संस्कृति का बेहतर उदाहरण, टाटा समूह की हर पीढ़ी ने देश के सामने रखा है। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की। लेकिन उन्हें यूरोप की हवा नहीं लगी। वह तन और मन से हमेशा भारतीय बने रहे। 1868 से लेकर अभी तक टाटा समूह ने हमेशा नवाचार करके उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशिष्टता के साथ काम करते हुए स्टील, ऑटोमोबाइल, डेटा इनोवेशन, नमक, केमिकल, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ काम किया है। टाटा समूह ने नैतिकता और संस्कारों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। टाटा समूह व्यापार को नैतिकता के साथ करने के लिए जाना जाता है। कर्मचारियों और सामाजिक दायित्व को लेकर टाटा समूह हमेशा सजग रहा। सही मायने में टाटा समूह भारत में औद्योगिक क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। 1907 में टाटा समूह ने स्टील प्लांट की स्थापना करके भारत में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया था। टाटा समूह ने पिछले वर्षों में आईटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभिन्न व्यवसाय में हमेशा आगे बढ़कर हर चुनौती को स्वीकार किया है। टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी, टाटा स्टील समूह के अंतर्गत सैकड़ों कंपनियों ने उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। शोध और सामाजिक कार्यों में टाटा समूह ने खुले हाथों पैसे खर्च करने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से निपटने के लिए हजारों करोड़ रुपये शोध में टाटा समूह ने तब खर्च किए,जब कोई इस मामले में सोचता नहीं था। पारसी परिवार में जन्मे रतन टाटा ने अपनी पारिवारिक विरासत को पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, नैतिकता, सामाजिक दायित्व के साथ पूरा करते हुए एक नई आधारशिला रखी है। रतन टाटा ने कभी, कोई ऐसा काम नहीं किया। जिससे टाटा समूह के ऊपर कोई उंगली उठा सके। रतन टाटा ने अपने पूर्वजों के बनाए गए नियमों, सामाजिक समरसता, धन का उपयोग व्यापार और उद्योग बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के प्रति टाटा समूह हर समय प्रतिबद्ध रहा है। टाटा परिवार के सदस्य अपने ऊपर बहुत कम खर्च करते थे। टाटा समूह जो भी कमाई करता था, उसे उद्योग विस्तार में लगाकर, लाखों लोगों को रोजगार देकर, मान-सम्मान के साथ सुख सुविधाएं पहुंचाने के लिए देश और विदेश में जाना जाता है। सामाजिक उत्तरदायित्व को जिस तरह से टाटा समूह की हर पीढ़ी ने निभाया है, उसकी प्रशंसा दुनिया के देशों में होती है। टाटा समूह, नैतिकता और ईमानदारी का प्रतीक है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल मे टाटा समूह की इसी विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। सादा जीवन उच्च विचार की भारतीय संस्कृति का निर्वाह उन्होंने सारे जीवन किया। रतन टाटा दुनिया छोड़कर चले गए हैं, लेकिन रतन टाटा ने अपने 86 वर्ष के जीवन मे जिस तरह से पारिवारिक विरासत की प्रतिबद्धता और संस्कारों का संवर्धन किया है, वह आने वाली पीढ़ी और दुनिया के लिए एक उत्तम संदेश है। लोग थोड़ी सी सफलता में अहंकारी हो जाते हैं। धन संपदा और ऐश्वर्या का जिस तरह से प्रदर्शन करते हैं, रतन टाटा हमेशा उससे दूर रहे।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण !

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है।

ललित गर्ग

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है।

आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम ह्यक्योंकि मैं एक लड़की हूंह्व रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम ह्वबाल विवाह को समाप्त करनाह्व था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चचाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गजब का विरोधाभास दिखाई देता है। दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। ह्ययत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताह्व- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे ह्यभोग की वस्तुह्व समझकर आदमी ह्यअपने तरीकेह्व से ह्यइस्तेमालह्व कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। बावजूद इसके सही समर्थन, संसाधन और अवसरों के साथ, दुनिया की 1.1 बिलियन से ज्यादा लड़कियों की क्षमता असीम है और जब लड़कियां नेतृत्व करती हैं, तो इसका प्रभाव तत्काल और व्यापक होता है। परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं सभी मजबूत होती हैं, हमारा भविष्य उज्जवल होता है। अब समय आ गया है कि लड़कियों की बात सुनी जाए, ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश किया जाए जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देंगे, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी।

गरीबी या मक्कारी

अतुल मलिकराम

गरीबी, एक ऐसा शब्द है जो सुनने में जितना साधारण लगता है, वास्तविकता में उतना ही भयावह और गंभीर है। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है जिसने न केवल व्यक्ति विशेष बल्कि पूरे समाज, देश और यहाँ तक की वैश्विक स्तर पर मानवता को जकड़ रखा है। गरीबी को सही मायनों में एक अभिशाप कहा जाए तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि यह व्यक्ति के जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है। इससे उसका स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और यहाँ तक कि उसका आत्मसम्मान भी प्रभावित होता है। लेकिन गरीबी केवल एक वित्तीय परिस्थिति नहीं है बल्कि यह एक विचारधारा है। आज दुनिया भर में फैली गरीबी में जितने लोग गरीब हैं उनमें से अधिकतर ऐसे मिल जाएँगे जो शारीरिक और मानसिक रूप से इस स्थिति में बाहर आने में पूरी तरह सक्षम हैं लेकिन वे आना ही नहीं चाहते हैं। इसे गरीबी कहेंगे या मक्कारी।

आजादी के बाद से ही हमारे देश की सरकार गरीबी उन्मूलन के लिए लगातर योजनाएं लागू कर रही है , जिसमें कभी सरकार ने मुफ्त घर, अनाज इत्यादि दिए तो कभी अलग-अलग योजनाओं में पैसा बांटा। कभी कम ब्याज दर पर लोन दिया, जिससे गरीबी रेखा के नीचे आने वाले लोग आत्मनिर्भर हो सकें। चाहे जिस किसी भी पार्टी की सरकार रही सबने अपने-अपने तरीकों से गरीबी से लड़ने के लिए प्रयास किये लेकिन आजादी के 78 सालों बाद भी हम गरीबी से निजात नहीं पा सके। आधिकारिक आंकड़ों की मानें, तो आज भी देश में करीब 37 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे है। ऐसे में प्रश्न यह उठाता है कि इतने प्रयासों के बाद भी आज तक देश का इतना बड़ा तबका गरीबी रेखा के नीचे कैसे है। भारत जो विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वहाँ आज तक गरीबी से निजात क्यों नहीं पाया जा सका।

क्योंकि गरीबी से निकलने के लिए सिर्फ पैसे या सहायता की जरुरत नहीं होती है। इसके लिए जरुरत होती है सकारात्मक विचारधारा की। जब सरकार की ओर से आपको मुफ्त खाना, आवास और सहयोग राशी मिल रही हो तो क्यों इस स्थिति से बाहर निकला जाए। जी हाँ! हमारे देश में गरीबों का एक तबका इस सोच के साथ ही जी रहा है। यही कारण है कि हम आज तक इस समस्या से निकल नहीं पाए हैं। उदाहरण के लिए सरकार ने शहरी इलाकों में झुग्गी झोपड़ियों को खत्म करने के लिए आवास योजना लागू की, जिसमें झुग्गी-बस्तियों में रह रहे लोगों को पक्के मकान मुहैया कराए गये ताकि उनके जीवन स्तर को सुधारा जा सके लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि लाभार्थियों ने आवास योजना में मिले मकानों को किराए पर दे दिया और अपने लिए फिर नई झोपडी बना ली। मतलब स्थिति जस की तस ही रही। सरकार ने शिक्षा के अवसर भी प्रदान किये ताकि आगे आने वाली पीढ़ी गरीबी से निकल सके लेकिन इस वर्ग में शिक्षा को लेकर भी जागरूकता नहीं है। साथ ही आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा का भी अभाव है। इस स्थिति को आप क्या कहेंगे यह तो सरासर मक्कारी है क्योंकि मुफ्तखोरी की आदत लग चुकी है। लोग अपने लिए कोई प्रयास करने की बजाय सहायता पर निर्भर हैं। वरना इंसान चाहे तो क्या कुछ नहीं कर सकता है। अगर मेहनत की जाए तो क्या गरीबी से निकला नहीं जा सकता....। हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं जिनका बचपन चाहे गरीबी में बीता हो लेकिन उन्होंने अपनी सकारात्मक विचारधारा और मेहनत से ना सिर्फ गरीबी को हराया है बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। मैं आपको ऐसे कई नाम गिनवा सकता हूँ जिन्होंने गरीबी को हराया है फिर चाहे वो हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम हों या हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी हों। गरीब पैदा होना किस्मत हो सकती लेकिन सारी जिंदगी गरीबी में ही रहना ये सरासर मक्कारी है। खुद कुछ ना करने की स्थिति में अपनी गरीबी को दोष देना और अपने स्तर में सुधार ना करना। व्यक्ति का अपना दोष है। इसके लिए सरकार को, किस्मत को या किसी और को दोष देना किसी तरह से सही नहीं है। इसलिए अगर सच में गरीबी को हराना है तो सबसे पहले इस विचारधार को बदलना होगा। बिना इसके कितनी भी योजनाएं लागू कर दी जाए स्थिति सुधरने वाली नहीं है। इसके लिए सरकार को भी अपनी मुफ्त योजनाओं पर लगाम लगाना चाहिए क्योंकि यह योजनाएं गरीबी से लड़ने में सहायक हो रही हों या नहीं लेकिन यह मक्कारी को बढ़ावा जरुर दे रही हैं। इसलिए जब तक मुफ्तखोरी और मक्कारी की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लगाई जाएगी, तब तक गरीबी से लड़ाई में सफलता मिलना मुश्किल है।

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है।उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया। नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है।रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया। उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया। आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे। सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे। हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आज का राशिफल

मेष आज किसी प्रकार के परिवर्तन वाला होगा। कोई बदलाव आने से आपको कोई दिक?कत नहीं होगी।

वृषभ करियर में लाभ और भाग्य में वृद्धि से खुशी मिलेगी। दोपहर तक कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है।

मिथुन आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको दिन के पूर्वार्ध में छुटपुट लाभ की संभावना है।

कर्क दिन शानदार रहेगा और भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आपकी क्रिएटिविटी भी काफी बढ़ेगी।

सिंह आज दिन शानदार होगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या करियर में लाभ होगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा और कार्यक्षेत्र में आपकी तरक्की होगी।

वृश्चिक आज दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहेगा। बिज़नस में बनाई गई योजनाएं सफल होंगी।

धनु दिन शुभ है और आज आपको काफी समय के बाद आज कुछ अच्छी खबर आपको मिलेगी।

मकर आज दिन काफी उलझनों से भरा होगा। कोई वस्तु या उपहार खरीदने की जल्दीबाजी रहेगी।

कुंभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मीन सम्मान में वृद्धि होगी। किसी काम के बिगड़ने से होने पर आपको खीज या प्रतिक्रिया से बचें।

राजकाज

1 मुख्यमंत्री के पीछे लगे 7 मुख्यमंत्री

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पीछे भाजपा ने 7 मुख्यमंत्री को पीछे छोड़ रखा है। इन 7 पूर्व मुख्यमंत्री के ऊपर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भारी पड़ते हुए दिख रहे हैं। हेमंत सोरेन अब इसी को आधार बनाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान,असम के मुख्यमंत्री विश्वा शर्मा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ झारखंड में काम कर रहे हैं। झारखंड के चुनाव में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उड़ीसा,राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के संसाधन भी झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री को निपटाने के लिए लगाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से इससे हेमंत सोरेन का कद झारखंड की राजनीति में काफी बढ़ गया है।

नितीश बाबू को भारत रत्न बनाने की तैयारी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या राजनीति से सेवा निवृत होने जा रहे हैं। 5 अक्टूबर को प्रदेश कार्य समिति की बैठक पटना में आयोजित हुई थी। इस बैठक में नितीश बाबू को भारत रत्न देने के पोस्टर लगाए गए थे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह कार्य समिति की बैठक में शामिल नहीं हुए। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री की ओर से बार-बार संदेश पहुंचाया जा रहा है, वह कपूरी ठाकुर की तरह सर्वोच्च सम्मान लेकर राजनीति से सेवा निवृत हो जाएं। प्रशांत किशोर को नितीश बाबू के पीछे लगा दिया गया है। नितीश बाबू को समझाया जा रहा है। बिहार रत्न से, भारत रत्न बनना ज्यादा बड़ा कद है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1737 पश्चिम बंगाल में चक्रवात से लगभग तीन लाख लोग मारे गए। 1797 ब्रिटिश बेडे ने हालैंड के बेडे को कैम्परडाउन में पराजित किया। 1927 चीन के राष्ट्रवादियों ने राजशाही को उखाड़ फेंका। 1915 प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश नर्स जुडिथ कावेल को ब्रुसेल्स में मौत के घाट उतार दिया गया। 1924 जयप्रकाश नारायण का जन्म। 1963 राष्ट्र संघ ने दक्षिण अफ्रीका में दमन की निंदा की। 1972 उत्तर वियतनाम में तीन दूतावासों के क्षतिग्रस्त होने के बाद अमरीका ने अपने लड़ाकू विमान चालकों पर प्रतिबंध लगाया। 1976 चीन में माओ की विधवा को तीन और लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। 1987 श्रीलंका के जाफना प्रायद्वीप में भारतीय शांति सेना की कार्यवाही में 2 तमिल उग्रवादी मारे गए। 1988 बर्मा में सुरक्षा बलों की गोली से दस व्यक्ति मारे गए। 1989 अफ्रीका के तटीय क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के एक समूह ने अच्छे किस्म के तेल की खोज की।

दैनिक पंचांग

11 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

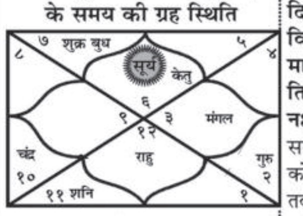

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.25 बजे से
चंद्र	मकर में	वृश्चिक	08.40 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.56 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.01 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.48 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.51 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.31 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.29 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कर्क	23.43 बजे से
		सिंह	01.59 बजे से
		कन्या	04.11 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 285 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 12.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 05.25 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** सुकर्मा 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.07 बजे तदनन्तर बालव 23.39 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872129 **जूलियन दिन** 2460594.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी**तारीख** 07 **विशेष** सरस्वती बलिदान, दुर्गा अष्टमी, संधि प ूजा, महानवमी, अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पॉपकॉर्न से ज्यादा हेल्दी होता है जवार धानी

पॉपकॉर्न आखिर किसे पसंद नहीं होते? मूवी डेट हो या घर पर पार्टी इसका सेवन जरूर किया जाता है। मार्केट में मिलने वाले पॉपकॉर्न में प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी जगह आप जवार धानी का सेवन कर सकते हैं। यह एक प्रकार का साबुत अनाज है, जो पॉपकॉर्न की तरह दिखता है। यह पॉपकॉर्न से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। साथ ही, यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदा करता है।

ग्लूटन फ्री स्नैक्स

अगर आपको ग्लूटन वाली चीजों से एलर्जी है, तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। यह एक अच्छा ग्लूटन फ्री स्नैक्स है, जिसके सेवन से आपका पाचन भी स्वस्थ रहेगा।

वेट लॉस में मदद करे

जवार धानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके सेवन से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगती है। इस कारण आप अगले मील में कम कैलोरी इंटेक करेंगे। साथ ही, आपको जल्द वजन घटाने में मदद मिलती है।

कई बीमारियों में फायदेमंद

अगर आपको डायबीटीज, हाइपरटेंशन या स्ट्रोक की समस्या है, तो यह आपके लिए अच्छा विकल्प है। इसमेंफाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है।

गट को हेल्दी बनाए रखे

खराब खानपान के कारण गट हेल्थ को नुकसान होता है। इससे पाचन क्रिया भी धीमी होती है, साथ ही गट इंफेक्शन का खतरा भी रहता है। ऐसे में जवार धानी बेहतरीन विकल्प है। यह जल्दी पच जाता है, साथ ही गट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

मैग्नीशियम से भरपूर

जवार धानी में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द से राहत देता है। महिलाओं में होने वाली मेनोपॉज की स्थिति में भी यह फायदेमंद है।

माइक्रोन्यूट्रिएंट से भरपूर

जवार धानी में माइक्रोन्यूट्रिएंट भी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें जिंक, फास्फोरस, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए गए हैं। यह शरीर में नए सेल्स और टिशूज बनाने में मदद करते हैं।

जवार धानी का सेवन करने का सही तरीका

- जवार धानी को आप घर पर पॉपकॉर्न बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्वाद में भी काफी बेहतर होता है।
- जवार धानी को खिचड़ी या दलिया बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट या डिनर ऑप्शन हो सकता है।
- जवार धानी से आप उपमा या सूप भी बना सकते हैं. रात में लाइट डिनर के लिए यह सही ऑप्शन है।
- अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह पर ही करें।

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय, पेट दर्द और गैस समेत 10 बीमारियां होंगी दूर

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें

हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं।

हृदय रोग से बचाव जैसे, हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं। क्योंकि लगातार कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहने से दिल की सेहत पर काफी बुरा असर पड़ता है.

- आपको यह बात हैरान कर सकती है कि एक समय 55 प्लस की उम्र में होनेवाली कार्डियोवस्कुलर डिजीज आजकर 25 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगी हैं। इतना ही नहीं हमारे देश में हार्ट अटैक के कुल मामलों में आधी संख्या उन लोगों की है, जिनकी उम्र 50 से कम है।
- इस आधी संख्या में भी 25 प्रतिशत लोग वो हैं जिनकी उम्र 40 साल से भी कम है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दिल की बीमारियां कितनी तेजी से हमारे समाज को बीमार बना रही हैं। खासतौर पर हमारे युवाओं को।
- अपने दैनिक जीवन में कुछ चुनिंदा बातों का ध्यान रखकर कई घंटों तक एक ही स्थान पर बैठकर काम करनेवाले लोग हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं। इसके लिए आपको जो चीजें जानने की जरूरत है, उनके बारे में यहां बताया जा रहा है.

सीट पर बैठे हुए ही करें स्ट्रेचिंग

- घंटों की सिटिंग जॉब और लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में फिजिकल ऐक्टिविटीज करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आप उन सूक्ष्म व्यायाम के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं, जिन्हें आप काम के दौरान ही 2 से 3 मिनट का समय निकालकर बीच-बीच में कर सकें।
- ये सूक्ष्म व्यायाम आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन का सही स्तर बनाए रखने में सहायता करते हैं। इससे आपके हृदय की पंपिंग प्रक्रिया बाधित नहीं होती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहता है।

भोजन में जरूरी हैं कुछ बदलाव

- सीटिंग जॉब वालों को अपनी डायट में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे, कम मसालों का सेवन करें.
- यानी आपका भोजन बहुत अधिक स्पाइसी नहीं होना चाहिए।
- भोजन में डीप फ्राइड चीजों का उपयोग कम करें इनके स्थान पर फ्रूट सलाद, सब्जियों की सलाद, ड्राई फ्रूट्स और उबली हुई सब्जियों को शामिल करें।
- डिब्बाबंद फूड और पैक्ड रेडी टु ईट फूड्स से जितना हो सके दूर रहें। क्योंकि इनमें प्रिजर्वेटिव्स की भारी मात्रा होती है, साथ ही फैट भी अधिक होता है।

पर्याप्त नींद लें

- नींद लेना हमारी आंखों की सेहत के लिए ही नहीं बल्कि हमारे ब्रेन, हार्ट और पूरे शरीर की सेहत के लिए जरूरी है। क्योंकि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारा शरीर डैमेज हुई सेल्स की रिपेयरिंग कर रहा होता है।
- ऐसे में जो लोग 7 से 8 घंटे की पूरी नींद नहीं लेते हैं, उनके शरीर में आंतरिक कमजोरी और बीमारियां पनपने की आशंका अधिक रहती है।

खुश रहना है जरूरी

- खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव मुक्त रहें। क्योंकि हमारे दिल और दिमाग की ज्यादातर बीमारियों की वजह तनाव होता है। जिन परिस्थितियों को आप अपने अनुसार ढाल नहीं पा रहे हैं, बेहतर होगा कि आप उनके अनुसार खुद ढल जाएं।
- शांति और खुशहाली से जीवन जीने की यह एक कुंजी है। वैसे भी बेहतर है कि हम सभी एक स्वस्थ जिंदगी जी पाएं, जो खुशियों से भरी हो। क्योंकि तनावपूर्ण जिंदगी कितनी भी लंबी क्यों ना हो बोझिल ही होती है और कोई खुशी नहीं देती।

पॉपकॉर्न से ज्यादा हेल्दी होता है जवार धानी

पॉपकॉर्न आखिर किसे पसंद नहीं होते? मूवी डेट हो या घर पर पार्टी इसका सेवन जरूर किया जाता है। मार्केट में मिलने वाले पॉपकॉर्न में प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी जगह आप जवार धानी का सेवन कर सकते हैं। यह एक प्रकार का साबुत अनाज है, जो पॉपकॉर्न की तरह दिखता है। यह पॉपकॉर्न से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। साथ ही, यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदा करता है।

ग्लूटन फ्री स्नैक्स

अगर आपको ग्लूटन वाली चीजों से एलर्जी है, तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। यह एक अच्छा ग्लूटन फ्री स्नैक्स है, जिसके सेवन से आपका पाचन भी स्वस्थ रहेगा।

वेट लॉस में मदद करे

जवार धानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके सेवन से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगती है। इस कारण आप अगले मील में कम कैलोरी इंटेक करेंगे। साथ ही, आपको जल्द वजन घटाने में मदद मिलती है।

कई बीमारियों में फायदेमंद

अगर आपको डायबीटीज, हाइपरटेंशन या स्ट्रोक की समस्या है, तो यह आपके लिए अच्छा विकल्प है। इसमेंफाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है।

गट को हेल्दी बनाए रखे

खराब खानपान के कारण गट हेल्थ को नुकसान होता है। इससे पाचन क्रिया भी धीमी होती है, साथ ही गट इंफेक्शन का खतरा भी रहता है। ऐसे में जवार धानी बेहतरीन विकल्प है। यह जल्दी पच जाता है, साथ ही गट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

मैग्नीशियम से भरपूर

जवार धानी में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द से राहत देता है। महिलाओं में होने वाली मेनोपॉज की स्थिति में भी यह फायदेमंद है।

माइक्रोन्यूट्रिएंट से भरपूर

जवार धानी में माइक्रोन्यूट्रिएंट भी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें जिंक, फास्फोरस, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए गए हैं। यह शरीर में नए सेल्स और टिशूज बनाने में मदद करते हैं।

जवार धानी का सेवन करने का सही तरीका

- जवार धानी को आप घर पर पॉपकॉर्न बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्वाद में भी काफी बेहतर होता है।
- जवार धानी को खिचड़ी या दलिया बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट या डिनर ऑप्शन हो सकता है।
- जवार धानी से आप उपमा या सूप भी बना सकते हैं. रात में लाइट डिनर के लिए यह सही ऑप्शन है।
- अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह पर ही करें।

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय, पेट दर्द और गैस समेत 10 बीमारियां होंगी दूर

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें

हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक

हृदय रोग से बचाव जैसे, हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं। क्योंकि लगातार कई घंटे

असर पड़ता है.

- आपको यह बात हैरान कर सकती है कि एक समय 55 प्लस की उम्र में होनेवाली कार्डियोवस्कुलर डिजीज आजकर 25 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगी हैं। इतना ही नहीं हमारे देश में हार्ट अटैक के कुल मामलों में आधी संख्या उन लोगों की है, जिनकी उम्र 50 से कम है।
- इस आधी संख्या में भी 25 प्रतिशत लोग वो हैं जिनकी उम्र 40 साल से भी कम है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दिल की बीमारियां कितनी तेजी से हमारे समाज को बीमार बना रही हैं। खासतौर पर हमारे युवाओं को।
- अपने दैनिक जीवन में कुछ चुनिंदा बातों का ध्यान रखकर कई घंटों तक एक ही स्थान पर बैठकर काम करनेवाले लोग हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं। इसके लिए आपको जो चीजें जानने की जरूरत है, उनके बारे में यहां बताया जा रहा है.

सीट पर बैठे हुए ही करें स्ट्रेचिंग

- घंटों की सिटिंग जॉब और लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में फिजिकल ऐक्टिविटीज करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आप उन सूक्ष्म व्यायाम के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं, जिन्हें आप काम के दौरान ही 2 से 3 मिनट का समय निकालकर बीच-बीच में कर सकें।
- ये सूक्ष्म व्यायाम आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन का सही स्तर बनाए

नहीं होती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहता है।

भोजन में जरूरी हैं कुछ बदलाव

- सीटिंग जॉब वालों को अपनी डायट में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे, कम मसालों का सेवन करें.
- यानी आपका भोजन बहुत अधिक स्पाइसी नहीं होना चाहिए।
- भोजन में डीप फ्राइड चीजों का उपयोग कम करें इनके स्थान पर फ्रूट सलाद, सब्जियों की सलाद, ड्राई फ्रूट्स और उबली हुई सब्जियों को शामिल करें।
- डिब्बाबंद फूड और पैक्ड रेडी टु ईट फूड्स से जितना हो सके दूर रहें। क्योंकि इनमें प्रिजर्वेटिव्स की भारी मात्रा होती है, साथ ही फैट भी अधिक होता है।

पर्याप्त नींद लें

- नींद लेना हमारी आंखों की सेहत के लिए ही नहीं बल्कि हमारे ब्रेन, हार्ट और पूरे शरीर की सेहत के लिए जरूरी है। क्योंकि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारा शरीर डैमेज हुई सेल्स की रिपेयरिंग कर रहा होता है।
- ऐसे में जो लोग 7 से 8 घंटे की पूरी नींद नहीं लेते हैं, उनके शरीर में आंतरिक कमजोरी और बीमारियां पनपने की आशंका अधिक रहती है।

खुश रहना है जरूरी

- खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव मुक्त रहें। क्योंकि हमारे दिल और दिमाग की ज्यादातर बीमारियों की वजह तनाव होता है। जिन परिस्थितियों को आप अपने अनुसार ढाल नहीं पा रहे हैं, बेहतर होगा कि आप उनके अनुसार खुद ढल जाएं।
- शांति और खुशहाली से जीवन जीने की यह एक कुंजी है। वैसे भी बेहतर है कि हम सभी एक स्वस्थ जिंदगी जी पाएं, जो खुशियों से भरी हो। क्योंकि तनावपूर्ण जिंदगी कितनी भी लंबी क्यों ना हो बोझिल ही होती है

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने श्रीलंका को हराया

82 रन से जीते, सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम, आशा-अरुंधति को 3-3 विकेट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया। भारत ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 172 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19.5 ओवर में 90 रन पर ऑलआउट हो गई।इस जीत से भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम हैं। टीम ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। भारत का अगला मुकाबला 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।हरमनप्रीत कौर प्लेयर ऑफ द मैच भारत से कप्तान हरमनप्रीत कौर नाबाद 52 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्मृति मंधाना ने 50 और शेफाली वर्मा 43 रन बनाए। मंधाना और

शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी हुई। श्रीलंका के लिए चमारी अटापट्टू और अमा कंचना को 1-1 विकेट मिला। स्मृति मंधाना रन आउट हुईं। श्रीलंका के 7 खिलाड़ी दहाई का आकड़ां नहीं छू सके श्रीलंका के लिए कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सकी। कविशा दिलहारी ने सबसे ज्यादा 21 रन बनाए। अनुष्का संजीवनी 20 और अमा कंचना ने 19 रन का योगदान दिया। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा कोई और दहाई का आकड़ां नहीं छू सका। भारत की ओर से अरुंधति रेड्?डी और आशा शोभना ने 3-3 विकेट चटकाए। रेणुका सिंह ने दो विकेट लिए। दीप्ति शर्मा और श्रेयांका पाटिल को 1-1 विकेट मिला।

टेनिस में एक और युग का अंत

22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने गुरुवार को टेनिस से संन्यास लेने का एलान कर दिया। नडाल के नाम पुरुष एकल वर्ग में 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। उनसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम सिर्फ सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जीते हैं। नडाल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल हैं और उन्हें लाल बजरी का बादशाह माना जाता है। नडाल ने अपने करियर में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में जीते हैं। डेविस कप फाइनल नडाल के पेशेवर टेनिस करियर का आखिरी मैच होगा। नडाल ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट कर संन्यास लेने की घोषणा की। नडाल के नाम 92 एटीपी एकल खिताब हैं जिसमें 36 मास्टर्स टाइटल और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। नडाल के नाम एक खास उपलब्धि भी दर्ज है। वह पुरुष टेनिस इतिहास में उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने करियर में गोल्डन स्लैम पूरा किया है।

पिछले महीने नडाल ने लावेर कप से हटने का फैसला किया था जो उनका पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर उनका अंतिम टूर्नामेंट माना जा रहा था। पेरिस ओलंपिक के बाद नडाल ने इस बात की पुष्टि की थी कि लावेर कप उनका अगला टूर्नामेंट होगा। नडाल पहले इस बात के संकेत दे चुके थे कि 2024 टूर पर उनका आखिरी वर्ष हो सकता है। नडाल का इस सीजन रिकॉर्ड 12-7 रहा है। वह आखिरी बार पेरिस ओलंपिक में खेलते दिखे थे जहां दूसरे दौर में उन्हें जोकोविच से हार का सामना करना पड़ा था।

नीदरलैंड के खिलाफ खेलेंगे अंतिम मैच

38 वर्षीय नडाल 19 से 21 नवंबर के बीच मलागा में नीदरलैंड्स के खिलाफ डेविड कप मैच में खेलेंगे। टेनिस कोर्ट पर यह उनका अंतिम मुकाबला होगा। पुरुष टेनिस इतिहास में रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच फैब थ्री के रूप में पहचाने गए जिसमें अब बस जोकोविच ही पेशेवर टेनिस में सक्रिय बचेंगे। नडाल से पहले फेडरर भी पेशेवर टेनिस से संन्यास ले चुके हैं। नडाल ने संन्यास का एलान करते हुए कहा, मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं पेशेवर टेनिस से संन्यास ले रहा हूं। वास्तविकता यह है कि ये कुछ कठिन वर्ष रहे हैं, विशेषकर पिछले दो वर्ष। मुझे नहीं लगता कि मैं सीमाओं के बिना खेलने में सक्षम हूं।

2005 में पहली बार जीता था फ्रेंच ओपन

नडाल पहली बार 2005 में सुर्खियों में आए जब उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में इस टूर्नामेंट को जीता। रोलां गैरों पर 18 वर्षों तक नडाल ने 14 बार इस खिताब को जीता। नडाल 2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2020 और 2022 में फ्रेंच ओपन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने करियर में दो बार (2009, 2022) में ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2008 और 2010 में विंबलडन तथा 2010, 2013, 2017, 2019 में यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया था। ऑल इंग्लैंड क्लब पर फेडरर के खिलाफ उनकी जीत नडाल के करियर का अहम मुकाबला माना जाता है। नडाल ने इस मुकाबले में फेडरर को 6-4, 6-4, 6-7(5), 6-7(8), 9-7 से हराया था।

कोच और कप्तान ने निडर होकर खेलने का लाइसेंस दिया: नितीश

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ अपने दूसरे ही टी20 मैच में बल्ले और गेंद दोनों से धमाल मचाने वाले उभरते हुए भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने टीम को निडर क्रिकेट खेलने का लाइसेंस देने का श्रेय दिया। आंध्र के 21 वर्षीय ऑलराउंडर नितीश ने 34 गेंद में 74 रन की पारी खेलकर भारत को नौ विकेट पर 221 रन का विशाल स्कोर बनाने में मदद की। बाद में उन्होंने अपनी मध्यम गति की गेंदबाजी से 23 रन देकर दो विकेट चटकाए जिससे बांग्लादेश नौ विकेट पर 135 रन ही बना सका और भारत ने तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त हासिल की।

नितीश ने मैच के बाद कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करके बहुत अच्छा लगता है। इस पल पर बहुत गर्व महसूस होता है। हर चीज के लिए आभारी हूं। मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने का लाइसेंस दिया। नितीश को लिटन दास से शुरुआत में दो जीवनदान मिले लेकिन महमूदुल्लाह की नोबॉल की बदौलत फ्री हिट पर छक्का लगाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ गया। उन्होंने कहा कि मैंने शुरुआत में समय लिया लेकिन उस नोबॉल के बाद सब कुछ मेरे पक्ष में हो गया। भारतीय टीम के लिए खेलना बहुत अच्छा लगता है। मैं इसी तरह खेलना चाहता हूं। ऐसे अच्छे प्रदर्शन को दोहराना चाहता हूं। भारत की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले के भीतर 41 रन पर

3 विकेट गंवा दिए थे।

वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि इससे उन्हें अपने मध्यक्रम के बल्लेबाजों को परखने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने कहा, ''मैं ऐसी स्थिति चाहता था, अपने बल्लेबाजों (पांच, छह, सात नंबर) को ऐसी स्थिति में देखना चाहता था। रिंकू सिंह (53) और नितीश के बीच चौथे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी पर उन्होंने कहा कि मैं उन दोनों के लिए खुश हूं। उन्होंने बिल्कुल वैसी ही बल्लेबाजी की जैसी मैं चाहता था। संदेश साफ है- नेट्स और फ्रेंचाइजी में जो करते हैं, वही करें। बस जर्सी बदली है, बाकी सब वही है।

भारतीय महिला टीम ने एशियन चैंपियनशिप में रचा इतिहास, पहली बार दिलाया मेडल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 में इतिहास रच दिया। मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला और आयहिका मुर्खजी की तिकड़ी ने वह कमाल कर दिखाया जो आज से पहले कोई भारतीय महिला टीम नहीं कर पाई। भारत ने पहली बार इस चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

भारतीय टीम बुधवार को सेमीफाइनल में जापान का सामना करने उतरी। यहां उसे 3-1 से हार मिली। हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण उनका ब्रॉन्ज मेडल पक्का हो गया था। टीम ने क्वार्टर फाइनल में साउथ कोरिया को हराकर अपना मेडल पक्का किया था।बुधवार को सेमीफाइनल मैच में सबसे पहले आयहिका मुखर्जी उतरीं। उन्हें जापान की मीवा हारिमोटो ने 3-2 से मात दी। इसके बाद मनिका बत्रा ने सतसूकी ओडो को 3-0 से मात देकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि मनिका बत्रा रिवर्स सिंगल में हरिमोटो से 1-3 से हार गईं। सुतिर्था मुखर्जी भी अपना मुकाबला 3-0 से हारीं। भारत यह मैच 1-3 से हार गया।

साउथ कोरिया को हराकर किया था उलटफेर

इससे पहले भारतीय टीम ने ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बड़ा उलटफेर करते हुए साउथ कोरिया को 3-2 से हराया और टॉप-4 में जगह बनाते हुए पदक पक्का किया था। इस जीत में अयहिका मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच में अपने दोनों मुकाबले जीते। दुनिया की 92 रैंक वाली आयहिका ने पहले मैच में वर्ल्ड नंबर-8 शिन युबिन और फिर दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी जियोन जिही को हराया।

इंडिया-बांग्लादेश टी-20

ऐसी स्थिति में खेलना मैंने माही भाई से सीखा है: रिंकू सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराऊंडर एक बार फिर से टीम इंडिया के मुसीबत से बाहर निकालने में सफल रहे। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में जब भारतीय टीम 41 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तो रिंकू सिंह ने नितीश रेड्डी के साथ मिलकर टीम को मुसीबत से बाहर निकाला। रिंकू ने इस दौरान अपने टी20 करियर की तीसरी फिफ्टी बनाई। मैच के बाद रिंकू सिंह ने कहा कि मैं खुद से कठिन परिस्थितियों में शांत रहने के लिए कहता रहता हूं। यह मेरे लिए स्वाभाविक है क्योंकि मैं लंबे समय से इस स्थान पर खेल रहा हूं। मैं उसी हिसाब से प्रैक्टिस भी करता हूं।रिंकू सिंह ने कहा कि मैंने माही भाई (एमएस धोनी) से इस संबंध में काफी बात की है जिससे मदद मिली है। जब आप 3-4 विकेट खो देते हैं तो आपको आत्मविश्वास की जरूरत होती है। वहीं, नीतीश कुमार के साथ साझेदारी पर उन्होंने कहा कि हम सिर्फ साझेदारी बनाना चाहते थे क्योंकि विकेट थोड़ा धीमा था। हमारी सोच थी कि स्ट्राइक रोटेट करें और खराब गेंदों पर हिट करें। उस फ्री-हिट (महमुदुल्लाह की गेंद पर) के बाद गति बदल गई और नीतीश को काफी आत्मविश्वास मिला।वहीं, प्लेयर ऑफ द मैच नितीश रेड्डी ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करके बहुत अच्छा लग रहा है, इस पल पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। हर चीज के लिए आभारी हूं। मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने को कहा। मैंने शुरुआत में अपना समय लिया, लेकिन उस नो-बॉल के बाद सब कुछ मेरे पक्ष में हो गया। भारतीय टीम के लिए खेलना बहुत अच्छा लगता है। मैं इसी तरह आगे भी जारी रखना चाहता हूं।

राजस्थान में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग टूर्नामेंट 4 नवंबर से

नईदिल्ली, एजेंसी। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की देखरेख में राजस्थन के जयपुर में 4 से 12 नवंबर तक ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2024 करवाया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाइंग दौर 4 से 8 नवंबर और मेन ड्रा 9 से 12 नवंबर तक होगा। टूर्नामेंट के सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर बैडमिंटन हाल में करवाया जाएगा जिसकी

ईनामी राशि कुल 6 लाख रुपए होगी। टूर्नामेंट में बीएस 17 से लेकर एक्स डी 17 तक की 10 कैटेगरी हैं इनमें विजेताओं को 29 हजार से लेकर 31 हजार की राशि ईनाम में दी जाएगी जबकि रनरअप को 14,500 से लेकर 15 हजार तक की राशि मिलेगी। टूर्नामेंट में खिलाड़ी ब्वॉयज सिंगल, गर्ल सिंगल, ब्वॉयज डबल, गर्ल्स डबल, मिक्सड डबल वर्ग में अंडर 16 और अंडर 17 कैटेगरी के तहत हिस्सा ले सकेंगे।

हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ लगाया तिहरा शतक

मुल्तान, एजेंसी। हैरी ब्रूक ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन गुरुवार को रिकार्ड तिहरा शतक जड़ दिया है। 34 साल में पहली बार इंग्लैंड की ओर से हैरी ब्रूक ने तिहरा शतक जड़ने का कारनामा किया है। इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जड़ने वाले इंग्लैंड के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। 1990 के बाद किसी इंग्लैंड प्लेयर ने टेस्ट की एक पारी में 300 रन के आंकड़े को छुआ है। मैच के 143.3 ओवर में सैम अयूब की गेंद पर चौका लगाकर ब्रूक ने अपना तिहरा शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के साथ ही उन्होंने आसमान की ओर देखते हुए ड्रेसिंग रूम की तरफ बैट उठाने के बाद अपनी दिवंगत दादी पॉलीन को सलाम किया। हैरी ब्रूक ने 322 गेंदों पर 29 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 317 रन बनाए जिस वजह से इंग्लैंड ने 823/7 के साथ पारी घोषित की। इंग्लैंड ने टेस्ट में तीसरी बार 800 प्लस रन बनाए हैं। वहीं इससे पहले हैरी ब्रूक ने अपने टेस्ट करियर का पहला दोहरा शतक 239 गेंदों पर पूरा किया था।

मर्डर के आरोपी क्रिकेटर शाकिब अल हसन ने देशवासियों से मांगी माफी...

ढ़ाका, एजेंसी। बांग्लादेश के महान क्रिकेटर शाकिब अल हसन ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नागरिक अशांति के दौरान खामोश रहने के लिए माफी मांगी है. इससे साउथ अफ्रीका के खिलाफ बांग्लादेश में उनके विदाई टेस्ट खेलने का रास्ता भी क्लियर हो जाएगा.

शाकिब 21 अक्टूबर से मीरपुर में शुरू हो रहे पहले टेस्ट के बाद इस फॉर्मेट से विदा लेना चाहते हैं. चटगांव में दूसरा टेस्ट भी होगा, लेकिन माना जा रहा है कि वह पहला मैच खेलकर अमेरिका चले जाएंगे जहां वह अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते हैं. शाकिब ने फेसबुक पर लिखा, मैं उन सभी छात्रों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने पक्षपात

विरोधी आंदोलन की अगुवाई की और अपनी जान गंवा दी या घायल हो गए. बता दें कि शाकिब के खिलाफ बांग्लादेश में हत्या का आरोप भी दर्ज है. उन्होंने कहा, प्रियजनों को खोने की कोई भरपाई नहीं कर सकता. बच्चे या भाई को खोने की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता. इस नाजुक दौर में मेरी खामोशी से आहत हुए लोगों से मैं क्षमायाचना करता हूं. मैं आपकी जगह होता तो मैं भी दुखी होता.

भारत में टेस्ट सीरीज के दौरान 37 साल के शाकिब ने आखिरी टेस्ट बांग्लादेश में खेलने की इच्छा जताई थी बशर्ते मौजूदा सरकार उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराए. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद वह यूएई चले गए क्योंकि वह जून में टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप को अलविदा कह चुके हैं. उन पर प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र की हत्या का आरोप है, लेकिन शाकिब उस समय कनाडा में एक टी20 लीग खेल रहे थे. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने शाकिब के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि बीसीबी कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं है और उन्हें सुरक्षा कवर की गारंटी नहीं दे सकती.

सरकार के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने हालांकि कहा कि अपना राजनीतिक नजरिया अगर वह स्पष्ट कर देते हैं तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जा सकती है. कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार खिलाड़ी ने स्पष्ट किया कि बतौर राजनीतिज्ञ उनका एकमात्र लक्ष्य उनके शहर मागुरा का विकास है. शाकिब के सार्वजनिक माफीनामे के बाद अब लगता है कि वह मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम पर अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं. शेख हसीना सरकार में संसद सदस्य रहे शाकिब ने लिखा, आप सभी को पता है कि मैं जल्दी ही अपना आखिरी मैच खेलूंगा. मैं आप सभी के सामने विदा लेना चाहता हूं. विदाई के समय उन लोगों से हाथ मिलाना चाहता हूं जिनकी शाबाशी ने मुझे बेहतर खेलने के लिये प्रेरित किया. उन्होंने अपने फैन्स से कहा, मैं उन लोगों से आंख मिलाना चाहता हूं जिन्होंने मेरे अच्छा खेलने पर तालियां बजाई और खराब खेलने पर उनकी आंखें भर आई. मेरा मानना है कि विदाई की इस बेला में आप सभी मेरे साथ होंगे.

राखी सावंत का समय रैना के शो में हंगामा

राखी सावंत पिछले काफी समय से शांत थीं और पब्लिक इवेंट्स में भी नजर नहीं आ रही थीं। लेकिन हाल ही वह समय रैना के शो में पहुंचीं और वहां हंगामा कर दिया। राखी सावंत ने कुर्सी फेंकी और कॉमेडियन महीप सिंह का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उन्होंने उनके अंडरगार्मेंट्स चुराए।

राखी सावंत का यह वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देख यूजर्स कन्फ्यूज हैं। वो पूछ रहे हैं कि क्या राखी ने सचमुच बवाल काटा या फिर यह सब स्क्रिप्टेड है? काफी वक्त से दुबई में थीं। वह हाल ही मुंबई वापस लौटीं और बिग बॉस मराठी में हिस्सा लिया था। जहां वह शो के टॉप-6 कंटेस्टेंट्स का मजाक उड़ाती दिखी थीं, वहीं अब समय रैना के शो में बवाल मचा दिया।

अंडरगारमेंट्स की बात, मचा हंगामा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राखी सावंत ने महीप सिंह का मजाक उड़ाते हुए कहा कि महीप जी तो मेरे अंडरगार्मेंट्स चुराकर भाग गए। यह सुनकर सभी दर्शक जोर से हंसने लगे। इस पर महीप ने राखी को जवाब दिया कि मैंने वो आपको वापस भी कर दिए थे।

नागा चैतन्य का एक्स अकाउंट हुआ हैक, पोस्ट ने बढ़ाई फॉलोअर्स की चिंता

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता नागा चैतन्य का एक्स अकाउंट आज दोपहर हैकिंग की घटना का शिकार हो गया। उनके अकाउंट पर बिटकॉइन से संबंधित एक पोल पोस्ट दिखाई दी, जिससे उनके फॉलोअर्स चिंतित दिखे।

अकाउंट है सुरक्षित

उनकी टीम वर्तमान में अकाउंट तक पहुंच को रद्द करने और इसकी सुरक्षा बहाल करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सौभाग्य से, उनका इंस्टाग्राम अकाउंट सुरक्षित है और सामान्य रूप से काम कर रहा है, जिससे प्रशंसक उनके नवीनतम अपडेट से जुड़े रह सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

नागा-सामंथा के तलाक को लेकर चल रहा विवाद

अभिनेता नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु के तलाक पर तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा ने विवादित टिप्पणी कर दी, जिसके बाद यह मामला गरमा गया। तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा की टिप्पणी कि भारत राष्ट्र समिति के नेता केटी रामा राव सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्य के तलाक के पीछे का कारण थे, ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया।

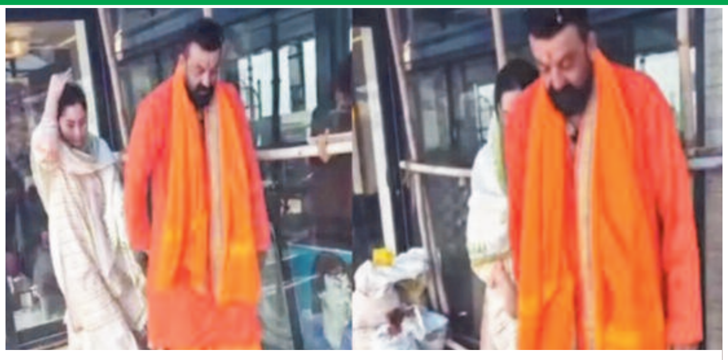

संजय दत्त ने 65 की उम्र में फिर से की शादी, तस्वीर वायरल

संजय दत्त बॉलीवुड में ही नहीं, अब साउथ फिल्मों में भी अपनी फैन फॉलोइंग को बढ़ाने में जुटे हैं। पिछले कुछ सालों में वह लियो से लेकर केजीएफ चैप्टर 2 जैसी कई ब्लॉकबस्टर दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आए। संजय दत्त अपनी प्रोफेशनल लाइफ ही नहीं, पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। अभिनेता के अफेयर्स हों या फिर तीन-तीन शादियां, उनकी लव लाइफ से जुड़ी बातें किसी से नहीं छिपी हैं। संजय दत्त और मान्यता दत्त इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक हैं। इस बीच अभिनेता का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें तीन शादी कर चुके संजय दत्त ने चौथी बार फेरे लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में संजय दत्त के साथ उनकी लेडी लव मान्यता दत्त नजर आ रही हैं, जिसमें दोनों को दूसरी बार साथ में सात फेरे लेते देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर संजय दत्त और मान्यता दत्त का जो वीडियो सामने आया है, उसमें बॉलीवुड कपल को अपने घर की बालकनी में रखे हवन कुंड के इर्द-गिर्द फेरे लेते देखा जा सकता है। वीडियो में संजय दत्त ने जहां भगवा रंग का कुर्ता-धोती और दुपट्टा पहना है, वहीं मान्यता सफेद रंग के सूट में हैं।

दरअसल, संजय दत्त के घर में पिछले कुछ समय से रेनोवेशन का काम चल रहा था, जो हाल ही में पूरा हुआ। घर का काम पूरा होने पर और नवरात्रि का शुभ पर्व होने पर संजय दत्त ने अपने घर में पूजा का आयोजिन किया था। इसी पूजा के दारौन संजय दत्त और मान्यता दत्त ने सात फेरे लिए। दोनों का अग्नि कुंड के पास फेरे लेना इसी पूजा का हिस्सा था।

संजय दत्त की प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ भी काफी चर्चा में रही है। अपने चार दशक के करियर में संजय दत्त ने 135 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

इस सीन के बाद तृप्ति से माफी मांगती थीं 'बुलबुल' की निर्देशक

तृप्ति डिमरी और कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर बुधवार को सामने आया। वहीं, उनकी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' भी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अपनी इन फिल्मों को लेकर वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। बता दें कि तृप्ति ने अपने करियर की शुरुआत श्रीदेवी की 'मॉम' से की थी। इसके बाद उन्हें 'बुलबुल' के नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने के बाद पहचान मिली। हाल ही में अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में 'बुलबुल' से जुड़ी कुछ बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने उन्हें इस फिल्म को ना करने की सलाह दी थी। आइए जानते हैं तृप्ति ने क्या कहा?

हाल ही में अभिनेत्री रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में आईं। बातचीत के दौरान उन्होंने याद किया कि निर्देशक अन्विता दत्त गुप्तन अक्सर बलात्कार के दृश्य फिल्माने के बाद उनसे माफी मांगती थीं। उन्होंने कहा, 'बलात्कार के दृश्य बहुत तीव्र थे। बातें करते समय सीन के बारे में ऐसा लगता है, नॉर्मल है। हो जाएगा ये। लेकिन जब आप वास्तव में उस सीन में उस पल को जीते हैं, तो अलग लेवल का डर आता है। एक अभिनेता के रूप में, आप जानते हैं कि आप इससे भाग नहीं सकते।'

तृप्ति ने आगे कहा,'यह बहुत डरावना और अजीब था, लेकिन मुझे राहुल बोस की तारीफ करनी होगी, जिन्होंने मुझे बहुत सहज महसूस कराया। जैसे ही सीन कट होता, वह विषय बदल देते या मेरे साथ खेल खेलना शुरू कर देते। इसलिए, मैं इस बारे में नहीं सोच रहा था कि सीन में वास्तव में क्या हो रहा है। मेरी निर्देशक हर सीन के बाद मेरे पास आकर बैठती और रोती। वह माफी मांगती और कहती, मुझे माफ कर दो, मैंने तुम्हें इन सब में डाला, तुम्हें यह सब सहना पड़ रहा है, लेकिन यह सिर्फ फिल्म के लिए है।' तृप्ति ने कहा कि जब भी वह बुलबुल की कहानी सुनती, तो उनके रोंगटे खड़े हो जाते। उन्होंने कहा, 'जब मेरा चयन हुआ, तो सबने कहा था मत करना, क्योंकि 'लैला मजनू' रिलीज हुई थी और हिट नहीं हुई थी।

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में नजर आएंगे रणबीर और नीतू कपूर

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर और उनकी मां, दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर, जल्द ही अपनी बहन रिद्धिमा कपूर को सपोर्ट करते नजर आएंगे। रिद्धिमा नेटफ्लिक्स के शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में पहली बार अपने जीवन को सार्वजनिक करने जा रही हैं। बुधवार को नेटफ्लिक्स ने इस शो का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें दिखाया गया कि इस बार मुकाबला होगा ओरिजिनल बॉलीवुड वाइव्स और तीन नए चेहरों के बीच - शालिनी पासी, कल्याणी साहा और रिद्धिमा। ट्रेलर के कैप्शन में लिखा था- मुंबई से दिल्ली का जबरदस्त टकराव इस बार, 'फैबुलस लाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स', आ रहा है 18 अक्टूबर को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर!

ट्रेलर में रणबीर कपूर कुछ समय के लिए दिखाई देते हैं और मजाक में अपनी बहन रिद्धिमा को कहते हैं, ये इसे पूरी तरह से गड़बड़ कर देगी। शो के पहली सीजन से जुड़ी नीलम कोठारी ने रिद्धिमा को छोटा पैकेट बड़ा धमाका कहकर तारीफ की। ट्रेलर में ढेर सारा हंगामा, ड्रामा, आतिशबाजी और मुंबई की वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट्स के बीच शानदार टकराव दिखाया गया है। इसके साथ ही शो में गौरी खान, करण जौहर, ओर्री, खुशी कपूर, शनाया कपूर, अनन्या पांडे और एकता कपूर भी दिखाई देंगे। ट्रेलर में नीतू और रिद्धिमा के बीच एक दिली बातचीत भी दिखती है, जिसमें वे ऋषि कपूर के निधन के बाद की जिंदगी के बारे में बात कर रहे हैं।

नीतू कहती हैं, पापा के बाद, रिद्धिमा, मैं कांपने लगी थी। रिद्धिमा जवाब में कहती हैं, हम अपनी भावनाएं जाहिर नहीं करते, लेकिन अंदर से हम अब भी दुखी हैं। फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का पहली सीजन 2020 में आया था। इस शो में नीलम कोठारी, महीप कपूर, भावना पांडे और सीमा किरण सजदेह की निजी और पेशेवर जिंदगी दिखाई गई है। इसका दूसरा सीजन सितंबर 2022 में रिलीज हुआ था। इस नए सीजन में इनके पतियों का भी आना होगा।

भूल भुलैया 3 के ट्रेलर लॉन्च से पहले कार्तिक आर्यन ने मांगा आशीर्वाद

अपनी आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 के ट्रेलर लॉन्च से पहले, अभिनेता कार्तिक आर्यन ने घर के मंदिर में पूजा करते हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे अपने घर के मंदिर में प्रार्थना कर रहे हैं। उनके साथ उनका पालतू डॉग कटोरी भी नजर आ रहा है। कैप्शन में कार्तिक ने सिर्फ हाथ जोड़ने वाला इमोजी डाला। इसके बाद, उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और तस्वीर शेयर की, जिसमें वे राज मंदिर थिएटर, जयपुर का जियोटैग लगाकर अपने मशहूर रूह बाबा वाले हाथ के इशारे को करते दिखे। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च बुधवार को जयपुर के प्रसिद्ध राज मंदिर सिनेमा में होगा। इस इवेंट में फिल्म की स्टार कास्ट शामिल होगी, जिसमें कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन होंगी।

आलिया भट्ट का बॉक्स ऑफिस पर रहा बोलबाला

- अभिनेत्री की पिछली पांच फिल्मों का जानें हाल

आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर ने तो प्रशंसकों की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया। हालांकि, अब उन्हें ज्यादा इंतजार नहीं करना है। बताते चले की आलिया यश राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स 'अल्फा' की शूटिंग भी कर रही हैं। आइए इस मौके पर आलिया भट्ट की पिछली पांच फिल्मों के प्रदर्शन पर एक नजर डाल लेते हैं।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी और फिल्म ने शानदार कमाई की। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 153.6 करोड़ रुपये की कमाई की। यह आलिया के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

ब्रह्मास्त्र- भाग-1

'ब्रह्मास्त्र- भाग-1' में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर मुख्य भूमिकाएं निभाईं। फिल्म में अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और शाहरुख जैसे दिग्गज भी नजर आएं। इस फिल्म का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर औसत रहा। इसने कुल 257.44 करोड़ रुपये का कारोबार बॉक्स ऑफिस पर किया।

गंगूबाई काठियावाड़ी

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में आलिया के अभिनय को खूब सराहा गया। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 129.1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

गली बॉय

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी 'गली बॉय' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 140.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

राजी

'राजी' में आलिया ने एक भारतीय जासूस की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को काफी सराहनाएं मिली। मेघना गुलजार ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म ने 123.84 करोड़ रुपये का कारोबार किया और सुपरहिट साबित हुई।

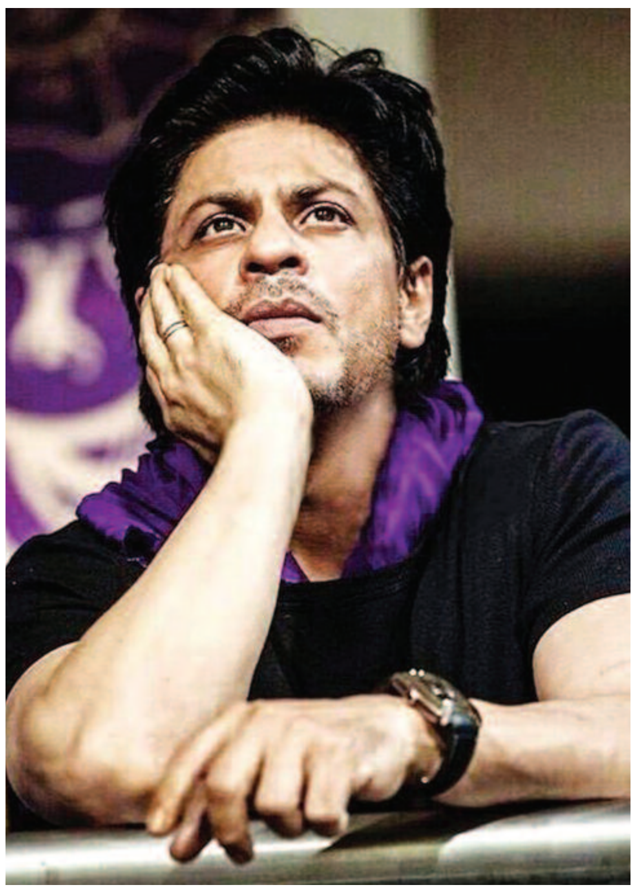

इस फेमस कॉफी के दीवाने है शाहरूख

हिंदी सिनेमा जगत के किंग खान कहे जाने वाले एक्टर शाहरुख खान के पास दौलत-शोहरत की कमी नहीं है। वो जिसके बारे में सोच भी लें तो वो उनकी हो जाती है। ऐसे में हाल ही में स्टारबक्स इंडिया के सीईओ सुशांत दास ने खुलासा किया है कि किंग खान इस ब्रैंड के बड़े फैन हैं। इसकी कॉफी को वो बेहद ही पसंद करते हैं। शाहरुख खान ज्यादा कई बार बता चुके हैं कि वो ज्यादा सोते नहीं हैं तो ऐसे में उनका कॉफी लवर होना लाज़मी है। हाल ही में स्टारबक्स के सीईओ ने बताया कि किंग खान उनके ब्रैंड की कॉफी के इस कदर दीवाने हैं कि उन्होंने इसके नए आउटलेट को अपने ऑफिस में खुलवाने के लिए उन्हें खुद अप्रोच किया था। दरअसल, स्टारबक्स इंडिया के सीईओ हाल ही में राज शामनी के पॉडकास्ट में पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने शाहरुख खान के ऑफिस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट में अपना आउटलेट खोलने की वजह के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसे वहां इसलिए खोला क्योंकि ऐसा किंग खान चाहते थे। वो इस बातचीत में बताते हैं, 'वो इसके बहुत बड़े फैन हैं, ऐसा कि मैंने सुना है। वो अपनी बिल्डिंग में इसका एक स्टोर चाहते थे, जहां उनके पास स्पेस था। ये एक बेहतरीन स्टोर है। शाहरुख खान यहां के मालिक हैं।' सुशांत दास आगे बताते हैं, 'उनके ऑफिस से मुझे ये कहते हुए किसी ने अप्रोच किया था कि वो इसके लिए उत्सुक हैं। क्या आप सब भी इसमें इंटरेस्टेड हो? यहां पर इसके लिए अच्छा स्पेस है और ये बेहतरीन है।

' शाहरुख खान के साथ-साथ कॉफी के कई स्टार्स दीवाने हैं, जिसके खुलासे पिछले कुछ सालों में हुए हैं। किंग खान के कॉफी लव के बारे में एक बार फिल्ममेकर आनंद एल रॉय ने बताया था कि वो तंदूरी चिकन और कॉफी से जिंदा रह सकते हैं। इस लिस्ट में तमन्ना भाटिया, 'जवान' एक्टर संजीता भट्टाचार्य और आलिया भट्ट का नाम भी शामिल है। आपको बता दें कि आलिया भट्ट और शाहरुख खान फिल्म 'डियर जिंदगी' में साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में आलिया ने एक बार इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए बताया था कि वो दोनों साथ में फिल्म कर रहे थे। एक सीन के दौरान किसी को भी कुछ नहीं बोलना था। माहौल काफी शांत था।